प्रयागराज, कानपुर, रायबरेली, कौशाम्बी, इटावा, फिरोजाबाद, कानपुर देहात, बांदा, औरैया, उन्नाव, वाराणसी, मिर्जापुर, हमीरपुर, जालौन एवं महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश मे प्रसारित

फतेहपुर संस्करण | फतेहपुर/लखनऊ से प्रकाशित | R.N.I : UPHIN/ 2011/44792

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

न्यूज़ वाणी

बीएमसी चुनाव परिणाम-ठाकरे भाईयों को ज़ोर का झटका लगा धीरे से पेज- 2

www.newswani.in

सांस्कृतिक कार्यक्रम में करें प्रतिभाग पेज-6

वर्ष : 15 अंक : 30 | रविवार 18 जनवरी, 2026 | डाक पंजीयन संख्याः एफटीपी/एल/समाचार पत्र/2025-27/106 | पृष्ठ 06 मूल्य 1.00 रूपया

पीएम मोदी ने मालदा से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

कहा, भारत को जोड़ना हमारी प्राथमिकता

(एजेंसी) मालदा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हावड़ा से गुवाहाटी के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को रवाना किया और कहा कि भारत को जोड़ना उनकी सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। पीएम मोदी ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले यहां विद्यार्थियों से बात भी की। इस दौरान कुछ विद्यार्थियों ने मोदी को पेंटिंग भेंट कीं। प्रधानमंत्री ने ट्रेन में केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पहले लोग दूसरे देशों की आधुनिक ट्रेनों को देखकर आस लगाया करते थे कि भारत में भी ऐसी ट्रेनें हों। अब वह सपना सच हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मां दुर्गा और मां कामाख्या की भूमि को जोड़ रही है। उन्होंने इसके लिये पश्चिम बंगाल और असम के लोगों को बधाई दी। श्री मोदी ने कहा कि रेलवे कायाकल्प के दौर से गुजर रहा है। आज पश्चिम बंगाल सहित देश में 150 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। आधुनिक और तेज गति से चलने वाली ट्रेनों का एक नेटवर्क बन रहा है। पश्चिम बंगाल के गरीब और मध्यम वर्ग परिवारों को इसका फायदा हो रहा है। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल को मिली चार अन्य वंदे भारत ट्रेनों का जिक्र करते हुए कहा कि जो लोग बंगाल और पूर्वी भारत की यात्रा के लिये देश के अलग-अलग हिस्सों से आते हैं, ये ट्रेनें उनके सफर को आसान बनायेंगी। आज भारतीय रेल आधुनिक होने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भी हो रही है। भारत के रेल इंजन, डिब्बे और मेट्रो कोच भारत की तकनीक की पहचान बन रहे हैं। आज हम अमेरिका और यूरोप से ज्यादा लोकोमोटिव बना रहे हैं। दुनिया के कई देश पैसेंजर कोच और मेट्रो कोच आयात कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था को लाभ और युवाओं को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है, और यह आज के कार्यक्रम में दिखता भी है। इससे पूर्व, प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया था कि श्आधुनिक भारत की बढ़ती परिवहन जरूरतोंश को पूरा करने के लिए बनायी गयी पूरी तरह से वातानुकूलित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन यात्रियों को किफायती किराये पर एयरलाइन जैसा यात्रा का अनुभव देगी। यह लंबी दूरी की यात्राओं को तेज, सुरक्षित और ज़्यादा सुविधाजनक बनायेगी। बयान में कहा गया कि यह ट्रेन हावड़ा-गुवाहाटी (कामाख्या) रूट पर यात्रा का समय लगभग 2.5 घंटे कम करेगी और धार्मिक यात्रा एवं पर्यटन को भी बड़ा बढ़ावा देगी। यह ट्रेन अपना पूरा सफर 14 घंटे में पूरा करेगी। रेलवे मंत्रालय के बयान के अनुसार यह देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है। वंदे भारत शृंखला की स्लीपर ट्रेनों को लंबी दूरी की यात्राओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

हावड़ा-गुवाहाटी मार्ग पर चलने वाली सरायघाट एक्सप्रेस जहां पूरे सफर में 17 घंटे लेती है, वहीं वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निर्धारित समय 14 घंटे होगा। स्लीपर ट्रेनसेट में 16 वातानुकूलित कोच हैं, जिसमें एक एसी फर्स्ट क्लास, चार एसी टू-टियर और 11 एसी थ्री-टियर शामिल हैं। ट्रेन की कुल क्षमता लगभग 823 यात्रियों की है। आधिकारिक बयान के अनुसार, स्वदेशी रूप डिजाइन की गयी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने कोटा-नागदा मार्ग पर किये गये हाई-स्पीड ट्रायल में 180 किमी प्रति घंटे तक रफ्तार पकड़ ली थी।

महाराष्ट्र के निकाय चुनाव में ओवैसी की बड़ी जीत

एआईएमआईएम ने 125 सीटें पर मारी बाजी, समझें सियासी गणित

(एजेंसी) मुंबई। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में इस बार नतीजों ने सबका ध्यान खींचा है। एआईएमआईएम ने राज्य भर में 126 सीटें जीतकर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाई है। खास तौर पर छत्रपति संभाजीनगर में पार्टी की जीत ने सियासी समीकरणों को नई दिशा दी है। इन नतीजों को केवल स्थानीय चुनाव तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे आने वाले बड़े चुनावों का संकेत भी माना जा रहा है। पार्टी प्रमुख ओवैसी की सक्रिय भूमिका को इस जीत की बड़ी वजह बताया जा रहा है। ओवैसी ने इस बार पहले की तुलना में ज्यादा समय चुनाव प्रचार को दिया। घर-घर जाकर संपर्क किया गया और छोटे इलाकों में स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। पार्टी नेताओं के मुताबिक, पिछली बार मिली करीबी हारों ने कार्यकर्ताओं को और ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित किया, जिसका सीधा असर नतीजों में दिखा। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में अपनी पार्टी की सफलता पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हमारी पार्टी के 125 पार्षद सफल हुए हैं। ओवैसी ने जनता का धन्यवाद करते हुए कहा श्मैं महाराष्ट्र के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने मत का प्रयोग किया। मैं उन सभी मतदाताओं का भी धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने एआईएमआईएम पार्टी के उम्मीदवारों को अपने वोट और आशीर्वाद से विजयी बनाया।श उन्होंने यह भी कहा कि अब यह जरूरी है कि जो पार्षद जीतकर आए हैं, वे जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरें। ओवैसी ने सभी पार्षद से आग्रह किया कि वे अपने वार्ड के लोगों के बीच बने रहें और स्थानीय विकास कार्यों को प्राथमिकता दें। एआईएमआईएम ने छत्रपति संभाजीनगर में 33 सीटें जीतीं। मालेगांव में पार्टी को 21 सीटें मिलीं। अमरावती में 12, नांदेड़ में 14, धुले में 10 और सोलापुर में आठ सीटों पर जीत दर्ज हुई। इसके अलावा मुंबई में आठ, नागपुर में छह, ठाणे में पांच, अकोला में तीन, अहिल्यनगर और जलना में 2-2 और चंद्रपुर में एक सीट एआईएमआईएम के खाते में गई। पार्टी नेताओं का कहना है कि पिछले नगर निकाय चुनावों में मिली 80 सीटों से उन्हें शहरी मतदाता की सोच समझने में मदद मिली, जिसका फायदा इस बार साफ दिखा।पार्टी नेताओं के मुताबिक, 2024 के विधानसभा चुनाव में औरंगाबाद पूर्व से इम्तियाज जलील की बेहद करीबी हार ने कार्यकर्ताओं को गहरी ठेस पहुंचाई थी। इसी नाराजगी और दुख ने इस बार उन्हें और मजबूती से मैदान में उतारा। कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर वोट मांगे और लोगों को स्थानीय समस्याओं से जोड़ा। इसका नतीजा यह रहा कि एआईएमआईएम को कई शहरों में उम्मीद से बेहतर समर्थन मिला।एआईएमआईएम की 126 सीटों की जीत यह दिखाती है कि पार्टी महाराष्ट्र की शहरी राजनीति में अपनी पकड़ मजबूत कर चुकी है। मुंबई से लेकर चंद्रपुर तक जीत दर्ज करना इस बात का संकेत है कि पार्टी अब सीमित इलाकों तक नहीं रहना चाहती। आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों से पहले यह प्रदर्शन दूसरे दलों के लिए भी चुनौती बन सकता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इन नतीजों से राज्य की सियासत में नए समीकरण बन सकते हैं।

बीजेपी बोली, ममता 10,000 में बांग्लादेशियों-रोहिंग्याओं को नागरिकता दे रहीं

इसलिए ईडी छापे से घबरा गई, उनको चेतावनी है बंगाल बांटकर चुनाव नहीं जीत सकतीं

(एजेंसी) नयी दिल्ली/कोलकाता भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को नयी दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ममता बनर्जी 10 हजार में बांग्लादेशियों-रोहिंग्याओं को नागरिकता दे रही हैं। पात्रा ने कहा कि ममता बनर्जी भारत के करोड़ों रुपए केवल इसी में खर्च कर रही हैं। इसी वजह से आई-पीएसी दफ्तर पर ईडी छापे से घबरा गईं, फाइलें छीनकर ले गईं। पात्रा ने कहा कि मैं ममता बनर्जी को चेतावनी देना चाहता हूं कि वे बंगाल को बांटकर चुनाव नहीं जीत सकतीं। मुर्शीदाबाद प्रदर्शन के दौरान एनएच-12 ब्लॉक किया गया। रेल रोकी गईं। क्या यह भारत का हिस्सा नहीं है? जब ट्रेनें जलाई जा रही हैं, तो ममता बनर्जी इसे अल्पसंख्यकों का गुस्सा बताकर सही ठहरा रही हैं। एसआईआर प्रक्रिया कई राज्यों में चल रही है। संसद में इस पर चर्चा हो चुकी है। बंगाल में सीएम ममता असंवैधानिक और हिंसक तरीकों से एसआईआर रोकने की कोशिश कर रही हैं। बीएलओ पर दबाव डाला जा रहा है। बीएलओ अशोक दास ने टीएमसी की धमकियों के बाद आत्महत्या कर ली। अशोक दास की पत्नी ने टीएमसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। जो बंगाल कभी 'सोनार बांग्ला' था, वह अब 'रक्त-रंजित बांग्ला' बन गया है। टीएमसी नेता मोनिरुल इस्लाम के बयान पर पात्रा ने कहा यह मामला राम-रहीम का नहीं, बल्कि बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों का है। ममता को भारत की चेतावनी है कि वे बंगाल बांटकर चुनाव नहीं जीत सकतीं। बीएसएफ ने पत्र लिखेऔर बैठकें कीं, लेकिन बंगाल सरकार सहयोग नहीं कर रही। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दी गई। इनका इरादा बंगाल तोड़कर उसे बांग्लादेश का हिस्सा बनाने का है।

बाबा विश्वनाथ के दरबार में सीएम योगी ने लगाई हाजिरी

कहा- समग्र विकास की योजना को बाधित करने के लिए रची जा रहीं हैं साजिशें

(एजेंसी) वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक नगरी काशी के मणिकर्णिका घाट पर मूर्तियों को खंडित करने वाले कथित वीडियो की ओर इशारा करते हुये कहा कि पिछले 11 वर्षों में काशी के समग्र विकास की योजना को बाधित करने के लिए साजिशें रची जा रही हैं और दुष्प्रचार किया जा रहा है। काल भैरव मंदिर और विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने के बाद योगी ने शनिवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा काशी के समग्र विकास की योजना को बाधित करने के लिये साजिशें रची जा रही हैं और दुष्प्रचार किया जा रहा है। इसके सही तथ्य जनता के सामने आ सकें, इसलिए मुझे आज काशी आना पड़ा है। उन्होंने कहा, काशी अविनाशी है। काशी के प्रति हर सनातनी और हर भारतवासी अपार श्रद्धा रखता है। स्वतंत्र भारत में काशी को जो सम्मान मिलना चाहिए था और जिस गति से उसका विकास होना चाहिए था, वह समग्र विकास पहले नहीं हो पाया। पिछले 11 वर्षों में काशी अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करते हुये उसका संवर्धन कर रही है। साथ ही भौतिक विकास के माध्यम से नई ऊँचाइयों को छू रही है। काशी को एक नई वैश्विक पहचान मिली है। काशी का प्रतिनिधित्व देश की संसद में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी की पुरातन काया को संरक्षित रखते हुए उसे नए कलेवर में देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। इसी के अनुरूप 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएँ काशी के लिए स्वीकृत हुई हैं। इनमें से 36 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएँ लोकार्पित हो चुकी हैं और शेष पर कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रतिदिन पांच हजार से 25 हजार तक श्रद्धालु आते थे। आज यह संख्या डेढ़ लाख से डेढ़ लाख प्रतिदिन हो गई है। पीक सीजन में यह संख्या 6 लाख से 10 लाख तक पहुँच जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को कहा कि काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद अब तक अकेले काशी ने देश की जीडीपी में 1.3 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया है। योगी ने यहां पत्रकारों से कहा कि गत वर्ष काशी में 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने काशी के समग्र विकास को देखा। यहां रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। आज काशी की सड़कें फोर-लेन से जुड़ गई हैं। काशी से ट्रेन सुविधाएं देश के विभिन्न हिस्सों के लिए बढ़ी हैं-वंदे भारत से लेकर अमृत भारत एक्सप्रेस और अन्य तमाम ट्रेनें शामिल हैं। (इनलैंड वाटरवेज) की सुविधा अगर कहीं शुरू हुई तो वाराणसी से हल्दिया के बीच ही प्रारंभ हुई। देश का पहला रोपवे प्रोजेक्ट भी वाराणसी में मूर्त रूप ले रहा है। काशी विश्वनाथ धाम के साथ ही आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े सभी स्थलों का संरक्षण करते हुए उन्हें नए कलेवर में प्रस्तुत करने का कार्य लगातार चल रहा है। उन्होने कहा कि काशी की पहचान काशी विश्वनाथ मंदिर, अन्य पवित्र मंदिरों और मां गंगा से है। 2014 से पहले गंगा का जल आचमन तो दूर, स्नान करने लायक भी नहीं था। आज गंगा में आचमन भी किया जा सकता है और स्नान भी। काशी की पहचान इसके घाट हैं। हर कोई कह सकता है कि 2014 से पहले काशी के घाटों की क्या दुर्दशा थी। आज वही घाट हर भारतीय को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पुरातन वैभव के साथ आधुनिक कलेवर में स्वच्छ और सुंदर दिखाई देते हैं। देश का सबसे बड़ा घाट-नमो घाट-काशी में पूरे देश को जोड़ने का माध्यम बन गया है। योगी ने कहा याद कीजिए, 2014 से पहले विश्वनाथ मंदिर में मुश्किल से 50 श्रद्धालु एक साथ दर्शन कर पाते थे। आज 50 हजार श्रद्धालु बड़े आराम से एक साथ आ सकते हैं। हर व्यक्ति आराम से दर्शन और अभिषेक कर सकता है।

राहुल गांधी ने इंदौर के दूषित पेयजल संकट के पीड़ितों से की मुलाकात

कहा- मैं इनके साथ खड़ा हूं, सरकार को लेनी होगी जिम्मेदारी

(एजेंसी) इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पेयजल से उल्टी-दस्त के प्रकोप के कारण कई लोगों की मौत के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को देश के सबसे स्वच्छ शहर में पहुंचे और इस प्रकोप के कारण अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात की। राहुल गांधी ने निजी क्षेत्र के बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती चार मरीजों से मिलकर उनके हाल जाने और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार भी थे। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधी ने भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के प्रकोप के दौरान दम तोड़ने वाली गीता ध्रुवकर (64) और जीवनलाल बरेड़े (80) के घर जाकर उनके शोकसंतप्त परिजनों को सांत्वना दी। इसके बाद वह एक स्थान पर पीड़ित परिवारों से सामूहिक तौर पर मिले। राहुल गांधी के दौरे के मद्देनजर भागीरथपुरा में पुलिस ने सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए थे और जगह-जगह बैरिकेड लगाए गए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा,..अलग-अलग शहरों में यही हो रहा है। जो सरकार की जिम्मेदारी है- साफ पानी, कम प्रदुषण, यह सब जिम्मेदारी सरकार नहीं निभा रही। यहां जिन लोगों ने यह कराया है, सरकार में कोई तो जिम्मेदार होगा तो

कोई न कोई जवाबदेही सरकार को लेनी चाहिए और इन्हें जो मुआवजा मिलना है, यह जो सरकार की लापरवाही से हुआ है, उसके लिए इनकी पूरी मदद करनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा, इन्होंने हमें बताया कि यह टंकी प्रतीक है कि आज भी यहां साफ पानी नहीं है, बैंडेड लगा दिया है जो कुछ दिनों तक चलेगा लेकिन जैसे ही सबका ध्यान हटेगा वापस वही हालत हो जाएगी। ये लोग कह रहें कि यहां व्यवस्थित रूप से काम किया जाए और इन्हें साफ पानी दिया जाए, यह कोई गलत बात नहीं है, इनका समर्थन करने मैं आया हूं। मैं विपक्ष का नेता हूं, यहां लोगों की मृत्यु हुई है, मैं इनका मुद्दा उठाने आया हूं। यह मेरा काम है, मेरी जिम्मेदारी बनती है हमारे देश में लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा, मैं इनके साथ खड़ा रहने यहां आया हूं। भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से लोगों के बीमार पड़ने का सिलसिला दिसंबर के आखिर में शुरू हुआ था। स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप में अब तक 24 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है। मृतकों के आंकड़े को लेकर विरोधाभासी दावों के बीच राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ में बृहस्पतिवार को पेश स्थिति रिपोर्ट में भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के प्रकोप के दौरान पांच माह के बालक समेत सात लोगों की मौत का जिक्र किया है। इस बीच, शहर के शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय की एक समिति की ओर से किए गए श्डेथ ऑडिटश की रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि भागीरथपुरा के 15 लोगों की मौत इस प्रकोप से किसी न किसी तरह जुड़ी हो सकती है। प्रशासन ने भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त का प्रकोप शुरू होने के बाद जान गंवाने वाले 21 लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा दिया है। अधिकारियों का दावा है कि इनमें से कुछ लोगों की मौत दूसरी बीमारियों और अन्य कारणों से हुई है, लेकिन सभी मृतकों के परिवारों को मानवीय आधार पर आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

गणतंत्र दिवस से पहले आतंकियों के निशाने पर दिल्ली

इंटेलिजेंस सूत्रों का दावा-पंजाब के गैंगस्टर खालिस्तानी-बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के लिए काम कर रहे

(एजेंसी) नयी दिल्ली। भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों ने गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली में आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी किया है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि प्रतिबंधित खालिस्तानी और बांग्लादेश के आतंकी संगठन दिल्ली समेत देश के कई शहरों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि पंजाब के कुछ गैंगस्टर विदेश से संचालित खालिस्तानी और कट्टरपंथी हैंडलरों के लिए फुट सोल्जर की भूमिका निभा रहे हैं। ये हैंडलर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने और भारत की आंतरिक सुरक्षा को बाधित करने के लिए क्रिमिनल नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं। अलर्ट के मुताबिक, ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में एक्टिव हैं और धीरे-धीरे खालिस्तानी आतंकी संगठनों से संपर्क बढ़ा रहे हैं। दिल्ली में 10 नवंबर, 2025 को लाल किला के पास एक कार में आत्मघाती आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 15 लोगों की मौत हुई थी। इधर, 26 जनवरी को दिल्ली में इंडिया गेट के सामने कर्तव्य पथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस परेड से पहले नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में मॉक ड्रिल की। इससे पहले रेड फोर्ट, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, मेट्रो स्टेशनों पर भी मॉक ड्रिल की गई।

सम्पादकीय

देवेन्द्र फ़डणवीस ने खुद को किया साबित

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद शिवसेना उद्धव ठाकरे के लिए मुंबई समेत 29 नगर निगमों का चुनाव बेहद अहम था। मै नफीस जाफरी आपको यह बता दूं कि खासकर उद्धव ठाकरे पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव में 25 साल पुराना दबदबा बनाए रखने का दारोमदार था। लेकिन उद्धव ठाकरे ने एक गलती की और उनका मुंबई का पूरा किला ढहता हुआ नजर आ रहा है। महाराष्ट्र में राज ठाकरे की छवि

नफीस जाफरी

एक ऐसे नेता की है, जो उत्तर भारतीयों को बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं। ऐसे में राज ठाकरे से हाथ मिलाकर उद्धव ठाकरे ने बड़ी गलती की, कई विश्लेषक इस बात को कह रहे हैं। राज से हाथ मिलाते ही उद्धव से उत्तर भारतीय वोटर छिटक गए। यह एक बड़ा कारण माना जा रहा है कि उद्धव की पार्टी को बीएमसी चुनाव में ज्यादा सीटें नहीं मिली हैं। विदित हो कि बीएमसी पिछले 25 सालों से ठाकरे परिवार का मजबूत किला रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि 25 साल की एंटी इनकंबेंसी का भी उद्धव ठाकरे को खामियाजा भुगतना पड़ा है। आमतौर पर ऐसा देखने को मिलता है कि जब कोई पार्टी काफी समय से सत्ता में होती है, तो उसके खिलाफ एक माहौल बनने लगता है। यह एंटी इनकंबेंसी चुनाव परिणाम में देखने को मिलती है। वहीं जहां तक भाजपा का सवाल है तो महाराष्ट्र में 29 महानगर पालिकाओं में मुंबई से लेकर नागपुर तक भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया है। चुनाव परिणामों में टीम बीजेपी अपनी ताकत दिखा रही है। महाराष्ट्र की राजनीति में अगर किसी एक नेता ने अपनी कमाल की रणनीति से बार–बार समीकरणों को पलटा है, तो वो हैं देवेंद्र फडणवीस। साल 2013 में प्रदेश अध्यक्ष बनने से लेकर 2026 के बीएमसी चुनावों तक, फडणवीस ने खुद को एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित किया है, जो हारती हुई बाजी को जीत में बदलना जानते हैं। 2026 के बीएमसी चुनाव रुझानों ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है। जिस बीएमसी पर दशकों से शिवसेना का एकछत्र राज था, वहां आज भाजपा नंबर वन पार्टी बनकर उभरी है। साल 2017 में जो जीत की पहली झलक (82 सीटें) दिखी थी, फडणवीस ने उसे 2026 में पूरा करके दिखाया। यह उनकी दूर की सोच का ही नतीजा है कि मुंबई में भाजपा अब सबसे बड़ी पार्टी है।

अप्रैल–मई 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा सिर्फ 9 सीटों पर सिमट गई थी। फडणवीस ने इसकी नैतिक जिम्मेदारी ली, लेकिन वे रुके नहीं। उन्होंने संघ के साथ समन्वय बढ़ाया और सीट बंटवारे पर फोकस किया। केवल 6 महीने बाद विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 149 सीटों पर चुनाव लड़कर 132 सीटों पर जीत हासिल की। फडणवीस के नेतृत्व में महायुति गठबंधन ने विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया। भाजपा नंबर एक पर रही और उसके सहयोगी नंबर 2 और 3 पर रहे। वहीं इससे पूर्व जब महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की सरकार थी, तब फडणवीस ने पर्दे के पीछे से ऐसा काम किया कि पूरी सरकार ही पलट गई। सरकार में शामिल (शिंदे) और विपक्ष (फड़नवीस) में होने पर भी दोनों के बीच बहुत अच्छे संबंध थे। एकनाथ शिंदे के साथ पुराने संबंधों का फायदा उठाते हुए उन्होंने शिवसेना में बड़ी सेंध लगाई। गठबंधन की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने शिंदे को मुख्यमंत्री बनाना स्वीकार किया और खुद उपमुख्यमंत्री बन गए, जो उनके त्याग और रणनीति के मेल को दर्शाता है। जून 2022 में राज्य की छह राज्यसभा सीटों के लिए सात उम्मीदवार मैदान में थे। आंकड़ों के लिहाज से भाजपा के पास 2 सीट जीतने के लिए ही उपयुक्त नंबर थे। फडणवीस ने राज्यसभा चुनाव के गणित यानी दूसरे वरीयता वाले वोटों पर ध्यान केंद्रित किया। निर्दलीय विधायक और छोटी पार्टियों से संपर्क किया। इसके साथ ही एमवीए सरकार के नाराज विधायकों के साथ लगातार संपर्क में रहे और उन्हें अपने पक्ष में वोट देने के लिए राजी किया। नंबर ना होते हुए भी भाजपा के तीनों उम्मीदवार जीते साथ ही भाजपा ने एक अतिरिक्त सीट जीती, जिससे महाविकास अघाड़ी सरकार की नींव हिल गई थी। महाराष्ट्र में भाजपा को उस समय (2013) तक आम तौर पर कम ताकतवर पार्टी माना जाता था। 2014 चुनाव से पहले भाजपा को सबसे ज्यादा 65 सीटें साल 1995 के चुनाव में मिली थीं। देवेन्द्र फडणवीस को 2014 के चुनाव से लगभग डेढ़ साल पहले, अप्रैल 2013 में महाराष्ट्र भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने महाराष्ट्र में पहली बार 100 का आंकड़ा पार किया, रिकॉर्ड 122 सीटें हासिल की। भाजपा पहली बार महाराष्ट्र में अपना मुख्यमंत्री बनाने में सफल रही। 2014 के बाद से भाजपा लगातार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है। दो बार मुख्यमंत्री का पद संभालने वाले और 5 साल का कार्यकाल पूरा करने वाले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने साबित कर दिया है कि संगठन कौशल और अडिग इच्छाशक्ति से राजनीति में कुछ भी नामुमकिन नहीं है।

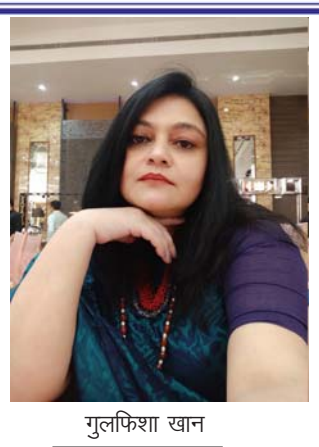

गुलफिशा खान

मेरा पानी उतरता देख, मेरे किनारे पर घर मत बना लेना, मैं समुंदर हूं, लौट कर वापस आऊंगा... 2019 के विधानसभा चुनाव में अपने नारे 'मैं वापस आऊंगा का मजाक बनाने पर देवेंद्र फडणवीस ने यह शेर विधानसभा में बतौर नेता प्रतिपक्ष सुनाया था। तब से आज तक हर बार उन्होंने इसे सही साबित कर दिखाया है। आज महाराष्ट्र में निगम चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत का सेहरा फडणवीस के सिर पर ही बाँधा जा रहा है। उनकी अगुवाई में महायुति ने राज्य के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह से बदल दिया। विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत को निगम चुनावों में जारी रख भाजपा ने साबित कर दिया कि राज्य की जनता

बीएमसी चुनाव परिणाम-ठाकरे भाईयों को ज़ोर का झटका लगा धीरे से

का विश्वास उस पर और ज़्यादा बढ़ा है। फडणवीस ने आज की जीत से कई बातें साबित कर दीं। पहली बात तो यह कि चाहें भाई साथ आएं या चाचा–भतीजा; बिखरों के मिलने के बावजूद वे ही सब पर भारी हैं। दूसरा यह कि मुंबई में मराठी वोटों पर अपना कब्जा बनाए रखने के ठाकरे परिवार के दावे को चकनाचूर कर दिया। बीएमसी में भाजपा और शिवसेना को मिली ऐतिहासिक जीत की गूंज लंबे समय तक याद रखी जाएगी। यहां पर एकनाथ शिंदे की भूमिका भी महत्वपूर्ण है जिनकी 26 सीटों पर जीत ने उद्धव और राज ठाकरे के अरमानों पर पानी फेर दिया। शिंदे ने ठाणे और कल्याण डोंबिवली में अपना जलवा बरकरार रखा है। देवेंद्र फडणवीस का डंका केवल मुंबई नहीं बल्कि पूरे राज्य में बज रहा है। जहां पिछली बार भाजपा 29 में से 15 निगमों पर क़ाबिज़ थी इस बार सहयोगियों के साथ यह आंकड़ा 23 के भी पार जा रहा है। यह प्रचंड जीत बता रही है कि कैसे महाराष्ट्र में विपक्षी पूरी तरह से सफाया हो गया। फडणवीस की यह रणनीति भी काम आई कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण को सहयोगियों दलों पर दबाव बनाने के लिए आगे किया जाए। चुनाव से पहले चाहे सहयोगी दलों के नेताओं को लाने के

उनके फ़ैसले के खिलाफ दिल्ली तक शिकायत गई हो लेकिन परिणाम बताते हैं कि रणनीति कारगर रही। फडणवीस ने रविंद्र चव्हाण के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर बूथ–मंडल कमजोरियों को दूर किया, स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता दी और डोर–टू–डोर अभियान चलाया। बागी नेताओं पर सख्ती से पार्टी एकजुट रही। बीएमसी के नतीजों ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत का संकेत दे दिया है। दशकों तक जिस बीएमसी पर शिवसेना का एकछत्र राज रहा, आज उस अभेद्य किले की दीवारें ढहती नज़र आ रही हैं। आंकड़ों में भाजपा सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है, जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (न्ठज) दूसरे स्थान पर सिमटती दिख रही है। मुंबई की सभी 227 सीटों के चुनाव परिणामों से अब यह साफ हैं, जो सत्ता के नए समीकरण की ओर इशारा कर रहे हैं। बीएमसी केवल एक नगर निगम नहीं, बल्कि शिवसेना के लिए उनकी जीवनरेखा और पावर हाउस रही है। 1990 के दशक से बीएमसी पर काबिज ठाकरे परिवार के लिए 70 का आंकड़ा एक बड़ा झटका है। भाजपा उससे ज्यादा सीटों के साथ उद्धव के वर्चस्व को सीधी चुनौती देकर उनके हाथ से सत्ता की चाबी छीन ली है। एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने भले ही 26 सीटें जीती हों, लेकिन उन्होंने उद्धव के पारंपरिक मराठी मानुस के वोटों में जो सेंध लगाई, उसी का नतीजा है कि आज भाजपा नंबर एक पर खड़ी है। भाजपा के लिए यह जीत उसके वर्षों के संघर्ष का परिणाम है। पिछली बार की तुलना में भाजपा ने अपनी स्थिति काफी मजबूत की है। सीटों का आंकड़ा दर्शाता है कि मुंबई की जनता ने डबल इंजन सरकार और हिंदुत्व के भाजपाई मॉडल पर मुहर लगाई है। भाजपा अब केवल गैर–मराठी वोट बैंक तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने शिवसेना के कोर इलाकों में भी अपना परचम लहराया है। राज ठाकरे की मनसे को उम्मीद थी कि इस बार वे सत्ता की चाबी अपने पास रखेंगे, लेकिन 6 सीटों पर सिमटने के बाद उनकी भूमिका सीमित हो गई है। वहीं, कांग्रेस का 23 सीटों पर गिरना यह बताता है कि मुंबई की राजनीति अभी खत्म नहीं हुई है। बीएमसी के इन नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि मुंबई की राजनीति की धुरी अब मातोश्री से खिसककर भाजपा के पाले में चली गई है। उद्धव ठाकरे के लिए यह आत्ममंथन का समय है, क्योंकि जिस किले के दम पर वे राज्य की राजनीति करते थे, आज वही किला उनके हाथ से निकल चुका है। इन नतीजों ने कांग्रेस और मनसे जैसे दलों के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। मुंबई अब स्पष्ट रूप से दो ध्रुवों में बंट गई है एक तरफ भाजपा का कट्टर हिंदुत्व और दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे का समावेशी मराठी कार्ड! राज ठाकरे की मनसे का 06 सीटों पर रुक जाना यह संकेत है कि मुंबई की जनता अब किसी तीसरे विकल्प के मूड में नहीं है। भाजपा कार्यालयों में जश्न का शोर है, लेकिन मातोश्री की खामोशी बहुत कुछ कह रही है। बीएमसी का किला ढहना उद्धव ठाकरे के लिए अस्तित्व की लड़ाई की शुरुआत है।

दक्षिण का क़िला भेदने की तैयारी में भाजपा

शबाब हुसैन

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर भारतीय संस्कृति के प्रति अपने लगाव को दर्शाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर गायों को चारा खिलाया और उनके साथ कुछ पल बिताए.। संक्रांति सूर्य देव की पूजा, फसल उत्सव और दान–पुण्य का त्योहार है। इस मौके पर गायों को चारा खिलाना और उनकी सेवा करना शुभ माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्य न केवल धार्मिक भावना को दर्शाता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पशु कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी मजबूती प्रदान करता है। यह पहली बार नहीं है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर गायों के साथ समय बिताया है। इससे पहले भी उन्होंने पुंगनूर जैसी दुर्लभ भारतीय नस्ल की गायों की देखभाल की तस्वीरें और वीडियो साझा किए थे, जिससे इस नस्ल को काफी लोकप्रियता मिली थी। तो वहीं दूसरी ओर विगत मंगलवार 14 जनवरी को जब उत्तर भारत में मकर संक्रांति की धूम थी तब दक्षिण भारत पोंगल का त्योहार मना रहा था। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पोंगल मनाने केंद्रीय सूचना प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन के सरकारी निवास पर पहुंचे। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब प्रधानमंत्री उनके घर गए हों। तमिलनाडु से आने वाले मुरुगन वैसे तो मध्य प्रदेश

से राज्य सभा सांसद हैं लेकिन मंत्रिपरिषद में उनकी उपस्थिति तमिलनाडु की जनता को एक बड़ा संदेश भी है। पिछले साल अप्रैल में तमिल नव वर्ष पुत्ताण्डु मनाने के लिए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुरुगन के नई दिल्ली स्थित आवास गए थे। अब पोंगल के जरिए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण भारतीयों के लिए अपना संदेश दिया। यही नहीं, कार्यकारी अध्यक्ष का कामकाज संभालने के बाद नितिन नवीन का पहला दौरा पुडुचेरी का था। तमिलनाडु से सटे इस छोटे केंद्र शासित प्रदेश में एनडीए की सरकार है। इसी तरह, गृह मंत्री अमित शाह भी केरल और तमिलनाडु का दौरा कर चुके हैं। जबकि प्रधानमंत्री मोदी इस महीने की 23 तारीख को तमिलनाडु जा सकते हैं। नए साल में नितिन नवीन भी तमिलनाडु का दो दिनों का दौरा कर चुके हैं। भाजपा के बड़े नेताओं के दक्षिण भारत के चुनावी राज्यों के ये दौरे इन राज्यों में पार्टी का जनाधार बढ़ाने की ललक बताते हैं। दशकों तक केवल उत्तर भारत की पार्टी होने का दंश झेलती आ रही भाजपा ने कर्नाटक में अपने बूते पर सरकार बना कर इसे दक्षिण के प्रवेश द्वार के तौर पर स्थापित किया था। आज पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में वह सहयोगी दलों के साथ सत्ता में है। कर्नाटक में प्रमुख विपक्षी दल है। केरल में राजधानी तिरुवंनतपुरम में पहली बार उसका मेयर बना. तमिलनाडु में उसके चार विधायक हैं और करीब 11 प्रतिशत वोट हैं। इस बार भाजपा ने तमिलनाडु में पूरी ताकत लगाई है। पिछले लोक सभा चुनाव में उसने छोटी पार्टियों से गठबंधन किया था लेकिन इस बार वह एआईएडीएमके के साथ है। कुछ अन्य दलों को भी साथ लिया गया है और एनडीए का विस्तार करने का प्रयास जारी है। भाजपा ने इस बार 50 विधानसभा सीट लड़ने की योजना बनाई है और सरकार बनने की स्थिति में वह तीन मंत्री पद भी चाहती है। हालांकि भाजपा के लिए दक्षिण भारत के इन दो प्रमुख राज्यों तमिलनाडु और केरल की लड़ाई आसान नहीं है। तमिलनाडु में भाजपा हो या कांग्रेस, दोनों ही प्रमुख राष्ट्रीय दल क्षेत्रीय दलों के भरोसे रहते हैं। जबकि केरल में भाजपा कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ और सीपीएम की अगुवाई वाले एलडीएफ की टक्कर के बीच अपने लिए जमीन तलाश रही है। हाल के स्थानीय निकाय के चुनावों मिली आंशिक सफलता से उसका उत्साह बढ़ा है।

नवाचार, समावेशन और भारत की प्रगति को गति देते हैं 'स्टार्टअप'

पीयूष गोयल

स्टार्टअप इंडिया पहल पूरे देश में एक समग्र और नई सोच वाले इकोसिस्टम के रूप में विकसित हुई है। यह युवाओं की उद्यमशील ऊर्जा को रोजगार सृजन और आध्थक विकास को तेज करने की दिशा में लगाकर, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के मिशन को साकार करने का मार्ग तैयार कर रही है। भारत में आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक मौजूद है। यह परिवर्तन रातों–रात नहीं हुआ। जब प्रधानमंत्री ने 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से 'स्टार्टअप इंडिया' की घोषणा की, तब उन्होंने एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी दृष्टि रखी कि उद्यमिता देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचे। 16 जनवरी, 2016 को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.) की ओर से शुरू किए जाने के बाद से स्टार्टअप देश की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई ऊर्जा भर रहे हैं। आई.टी. सेवाएं, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान, शिक्षा, कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इसके अलावा, जलवायु तकनीक और अवसंरचना सहित 50 से अधिक अन्य उद्योगों में भी नए उद्यम सामने आए हैं। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत का रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर पिछले वर्ष 38वें स्थान पर पहुंच गया और गहन तकनीक से जुड़े स्टार्टअप्स को सरकार का समर्थन इसे आगे और बेहतर करेगा। गहन तकनीक वाला राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत नैशनल रिसर्च फाऊंडेशन की स्थापना तथा इंडिया ए.आई. मिशन और रिसर्च डिवैल्पमैंट एंड इनोवेशन योजना की शुरुआत की गई है। भारत के स्टार्टअप एयरोनॉटिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, रोबोटिक्स, हरित तकनीक, इंटरनैट ऑफ थिंग्स और सैमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार कर रहे हैं। भारतीय स्टार्टअप्स ने 16,400 से अधिक नए पेटैंट आवेदन दाखिल किए हैं, जो मौलिक नवाचार, दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है। वर्ष 2016 में केवल 4 राज्यों में स्टार्टअप नीतियां थीं, जबकि आज भारत के 30 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष स्टार्टअप ढांचे मौजूद हैं। अब तक 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है, जो नीति–आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के एक दशक के सतत् विकास को दर्शाता है। केवल 2025 में ही 49,400 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिली, जो स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के बाद सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है। समावेशन इस पूरी यात्रा की एक मजबूत आधारशिला रहा है। महिला नेतृत्व वाले उद्यम एक बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं, जहां 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम 1 महिला निदेशक है। इसके अलावा, लगभग आधे स्टार्टअप गैर–मैट्रो शहरों में स्थित हैं, जो नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में टियर–2 और टियर–3 शहरों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। जैसे–जैसे भारतीय स्टार्टअप्स का विस्तार हो रहा है, पूरी दुनिया उनके लिए बाजार बनती जा रही है। अब 21 अंतरराष्ट्रीय ब्रिज और 2 रणनीतिक गठबंधन मौजूद हैं, जो यू.के., जापान, दक्षिण कोरिया, स्वीडन और इसराईल सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बाजार तक पहुंच, सहयोग और विस्तार को आसान बनाते हैं। इन पहलों से अब तक 850 से अधिक स्टार्टअप्स लाभान्वित हो चुके हैं। इस विकास को संभव बनाने में कारोबार करने में आसानी में सुधार एक मुख्य आधार रहा है। पात्र स्टार्टअप अपने पहले 10 वर्षों में से किन्हीं भी 3 लगातार वर्षों के लिए कर अवकाश का लाभ ले सकते हैं। अब तक 4,100 से अधिक स्टार्टअप्स को इसके लिए पात्रता प्रमाणपत्र मिल चुके हैं। 60 से अधिक नियामकीय सुधारों के माध्यम से अनुपालन का बोझ कम किया गया है, पूंजी जुटाने को आसान बनाया गया है और घरेलू संस्थागत निवेश को मजबूत किया गया है। एंजेल टैक्स को समाप्त करने और वैकल्पिक निवेश कोषों (ए.टी.एफ.) के लिए दीर्घकालिक पूंजी के रास्ते खोलने से स्टार्टअप फंड्क्षडग का पारिस्थितिकी तंत्र और सशक्त हुआ है। बाजार तक पहुंच को प्राथमिकता दी गई है। सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जैम) के माध्यम से 35,700 से अधिक स्टार्टअप्स को जोड़ा गया है, जिन्हें 51,200 करोड़ से अधिक मूल्य के 5 लाख से ज्यादा ऑर्डर मिले हैं। स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स योजना के तहत वैकल्पिक निवेश कोषों के जरिए 25,500 करोड़ से अधिक का निवेश किया गया है, जिससे 1,300 से अधिक उद्यमों को लाभ मिला है। इसके अलावा, स्टार्टअप्स के लिए क्रैडिट गारंटी योजना के अंतर्गत 800 करोड़ से अधिक के बिना जमानत ऋण की गारंटी दी गई है। भारतीय स्टार्टअप्स देश में एक बड़ा सांस्कृतिक परिवर्तन लाए हैं। पहले बच्चों को मुख्य रूप से सरकारी नौकरी, इंजीनियरिंग या चिकित्सा जैसे कुछ ही क्षेत्रों में जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था। आज कई युवा नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनने का सपना देख रहे हैं।

ट्रम्प किस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर रहे हैं

थॉमस मैथ्यू

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का दबदबा उस समय पूरी तरह से प्रदध्शत हुआ, जब उन्होंने फ्लोरिडा स्थित अपने आवास मार–ए–लागो में मंच पर आकर वेनेजुएला के खिलाफ अमरीकी सैन्य कार्रवाई की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क में 'नार्को–आतंकवाद' के आरोपों में मुकद्दमे का सामना करने के लिए गिरफ्तार करना एक 'शानदार हमला' था। उन्होंने घोषणा की कि अमरीका देश का 'शासन' चलाएगा और इसके तेल भंडार का उपयोग उन अमरीकी कंपनियों को मुआवजा देने के लिए करेगा, जिनके निगमों का लगभग दो दशक पहले राष्ट्रीयकरण कर दिया गया था। क्या वेनेजुएला में अमरीकी सैन्य कार्रवाई वास्तव में नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए थी? सन 2000 से, मादक पदार्थों की ओवरडोज से लगभग सवा दस लाख अमरीकी नागरिकों की मौत हो चुकी है। लेकिन, इनमें से लगभग 69 प्रतिशत मौतें फेंटानिल के कारण हुईं, जिसके पूर्ववर्ती रसायन चीन में उत्पादित होते हैं। वेनेजुएला अमरीका में कोकीन का एक मामूली स्रोत है। हालांकि, वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है। ट्रम्प की इस घोषणा के बाद कि अमरीकी तेल कंपनियां, जो 'दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां' हैं, अब दक्षिण अमरीकी देश में प्रवेश करेंगी, उनके इरादों की और पुष्टि की कोई आवश्यकता नहीं रह गई है। वेनेजुएला में अमरीका की कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय कानून का सबसे घोर उल्लंघन है। इस बात पर जोर देने की शायद ही जरूरत है कि इस कार्रवाई ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल अनुच्छेद 2(4) का उल्लंघन किया है, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी या आत्मरक्षा (अनुच्छेद 51) के अलावा किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल के खतरे या उपयोग को प्रतिबंधित करता है। यह घटना अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में शक्ति संतुलन के बिगडने का संकेत देती है। मूल रूप से कई देशों के बीच शांति बनाए रखने के लिए यूरोप द्वारा निर्मित इस व्यवस्था में 20वीं शताब्दी में आमूल–चूल परिवर्तन हुए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, इसने अमरीका और सोवियत संघ को मुख्य भूमिका में रखते हुए एक द्विध्रुवीय संरचना को जन्म दिया। इस दौरान, कोई भी देश बेरोकटोक शक्ति का इस्तेमाल नहीं कर सका। एक देश दूसरे को संतुलित करता रहा, जिससे एक नाजुक शांति बनी रही। वेनेजुएला पर हमले से दिसम्बर, 1971 में बंगलादेश युद्ध के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप में सत्ता के समीकरणों की याद आती है। इसने राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के भारत–विरोधी प्रशासन की साजिशों को नाकाम कर दिया। जब वाशिंगटन ने नई दिल्ली को डराने और आत्मसमर्पण कराने के लिए अमरीकी सातवें बेड़े की टास्क फोर्स टी.एफ.–74 को तैनात किया, तो सोवियत संघ ने क्रूजर, विध्वंसक और पनडुब्बियों की जवाबी तैनाती करके खतरे को बेअसर कर दिया। यह शक्ति संतुलन की अवधारणा के एक विशिष्ट उदाहरण के रूप में एक महाशक्ति द्वारा दूसरी महाशक्ति का प्रतिकार था। इसी तरह, जब 1973 के योम किप्पुर युद्ध में मिस्र की तीसरी सेना पर इसराईल के हाथों विनाश का खतरा मंडराया, तो सोवियत नेता लियोनिद ब्रेझनेव ने हवाई डिवीजनों को तैयार क्षेत्रों में तैनात किया, क्योंकि मिस्र मास्को का करीबी सहयोगी था। चिंतित अमरीका ने डेफकोन–3 (अमरीकी रक्षा तत्परताध्खतरे का अलर्ट) घोषित किया। इसराईल ने आत्मसमर्पण कर दिया और सोवियत चेतावनी ने मिस्र की सेना को बचा लिया। हालांकि, 1991 में सोवियत संघ के पतन के साथ, दुनिया ने अमरीका द्वारा सत्ता के अनियंत्रित दुरुपयोग को चुनौती देने में सक्षम एकमात्र शक्ति खो दी। इससे उत्साहित होकर, वाशिंगटन ने पूर्वनिवारक (प्री–एम्पटिव) युद्ध में शामिल होने का अधिकार प्राप्त कर लिया है। इसने प्रत्यक्ष कार्रवाई या सर्मथित आंदोलनों के माध्यम से ईराक, मिस्र, लीबिया और सीरिया में सरकारों को उखाड़ फैंका है। निकट भविष्य में, केवल चीन ही अमरीका के प्रतिसंतुलन के रूप में उभर सकता है। रूस और चीन के बीच एक ढीला गठबंधन मौजूदा एकध्रुवीय संरचना को चुनौती दे सकता है, हालांकि प्रमुख शक्तियों के बीच मतभेद एक स्थायी सांझेदारी को रोक सकते हैं। अमरीका ने एक बार फिर भारत के सुरक्षा हितों के प्रति अपनी असंवेदनशीलता साबित कर दी है, ऐसे में नई दिल्ली को एक प्रतिसंतुलनकारी शक्ति बनने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। उसे अपने सैन्य–औद्योगिक परिसर के निर्माण और रक्षा को मजबूत करने के लिए एक कल्पनाशील और लीक से हटकर रणनीति विकसित करनी होगी।

हवलदार जीडी मिर्जा को सीआरपीएफ बेस्ट इंस्ट्रेक्टर का मिला अवार्ड

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

नानौता, सहारनपुर। ग्वालियर सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज सीआरपीएफ में 120 बेसिक बिगुलर टेक्निकल का 44 वीक बेसिक ट्रेनिंग के बाद दीक्षांत कसम परेड में बेस्ट इन्स्ट्रेक्टर का अवार्ड हासिल कर हवलदार जीडी मिर्जा शमीम बैग पुत्र मिर्जा ग़ालिब बैग निवासी नानौता ने जनपद का नाम रोशन किया है। इस सम्बन्ध में मिर्जा शमीम बैग ने जानकारी देते हुए बताया कि 16 जनवरी को केन्द्रीय प्रशिक्षण महाविधालय गवालियर में भविय सीआरपीएफ दीक्षांत परेड समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। आयोजित सीआरपीएफ दीक्षांत परेड समारोह में कई राज्यों के नवनियुक्त रिक्रूट शामिल हुए जिसमे शानदार तरीके से मन को मोह लेने वाली परेड पैदल मार्च के साथ सम्पन्न हुई। आयोजित कार्यक्रम में सीआरपीएफ एडीजी संदीप खिरवार आईपीएस द्वारा दीक्षांत परेड में बेस्ट इन्स्ट्रेक्टर का अवार्ड हवलदार जीडी मिर्जा शमीम बैग को दिया गया जिसमे आईजी गुरुशक्ति सिंह सोढ़ी और कमांडेंट बी एके चौरसिया की उपस्तिथि मुख्य रूप से रही।

तमसा नदी, गाय घाट एवं अन्य घाटों का आप ने किया निरीक्षण

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

मऊ। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष विक्रम जीत सिंह के नेतृत्व में जनहित निरीक्षण अभियान के अंतर्गत तमसा नदी, गाय घाट, अन्य प्रमुख घाटों तथा आसपास फैली गंदगी का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नदी में गिर रहे नालों, घाटों की जर्जर स्थिति एवं हनुमान घाट क्षेत्र का गहन अवलोकन किया गया। जिलाध्यक्ष विक्रम जीत सिंह ने कहा कि नालों का पानी बिना शुद्धिकरण के सीधे तमसा नदी में गिरना अत्यंत गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मांग की कि नाले का पानी पूरी तरह साफ होकर ही तमसा नदी में छोड़ा जाए। साथ ही हनुमान घाट पर पुल का निर्माण शीघ्र कराया जाए, गाय घाट सहित तमसा नदी के सभी घाटों का नियमित निरीक्षण किया जाए, अब तक कराए गए घाट निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच हो, तथा तमसा नदी को पूरी तरह स्वच्छ कर नौका विहार जैसी जनोपयोगी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे धार्मिक आस्था के साथ–साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। विक्रम जीत सिंह ने कहा कि तमसा नदी मऊ की सांस्ःतिक पहचान है और इसके संरक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आम आदमी पार्टी जन आंदोलन करने को मजबूर होगी। आज के निरीक्षण कार्यक्रम में ऋषिकेश पांडे, संजीव सिंह, रामचंद्र कुमार, इकबाल अहमद, मनोज कुमार सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

गन्ना प्रजाति पहचान को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

- गन्ना विभाग व डालमिया शुगर यूनिट जवाहरपुर की संयुक्त पहल

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

सीतापुर। गन्ना आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में शनिवार को डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, शुगर यूनिट जवाहरपुर के मीटिंग हॉल में गन्ना विभाग एवं चीनी मिल के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय गन्ना प्रजाति प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य गन्ना पर्यवेक्षकों को विभिन्न गन्ना प्रजातियों की सही पहचान, उनकी विशेषताओं तथा गुणवत्ता संबंधी तकनीकी जानकारी प्रदान करना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अजय पाल, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक जवाहरपुर, आज़ाद सिंह, महाप्रबंधक गन्ना तथा प्रेम प्रकाश शुक्ला, सहायक महाप्रबंधक गन्ना विकास द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से राजकीय एवं चीनी मिल के गन्ना पर्यवेक्षकों को गन्ना प्रजातियों की पहचान, उनकी उत्पादकता, परिपक्वता अवधि एवं मिलिंग गुणवत्ता से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि सही प्रजाति की पहचान न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक है, बल्कि चीनी उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा में भी सुधार लाती है। प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारियों ने पर्यवेक्षकों को फील्ड स्तर पर गन्ना प्रजाति पहचान में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं पर भी चर्चा की तथा उनके समाधान के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि गन्ना सर्वेक्षण, आपूर्ति एवं भुगतान प्रक्रिया में प्रजाति पहचान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए इस विषय में पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर सभी गन्ना पर्यवेक्षकों की गन्ना प्रजाति पहचान संबंधी एक लिखित परीक्षा भी आयोजित की गई, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अधिकारियों ने परीक्षा के माध्यम से प्रशिक्षण के प्रभाव का आकलन किया और इसे भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे गन्ना विकास से जुड़े कर्मियों की दक्षता में निरंतर वृद्धि हो सके और किसानों को बेहतर तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके।

तमसा नदी, गाय घाट एवं अन्य घाटों का आप ने किया निरीक्षण

न्यूज़ वाणी ब्यूरो /मऊ। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष विक्रम जीत सिंह के नेतृत्व में जनहित निरीक्षण अभियान के अंतर्गत तमसा नदी, गाय घाट, अन्य प्रमुख घाटों तथा आसपास फैली गंदगी का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नदी में गिर रहे नालों, घाटों की जर्जर स्थिति एवं हनुमान घाट क्षेत्र का गहन अवलोकन किया गया। जिलाध्यक्ष विक्रम जीत सिंह ने कहा कि नालों का पानी बिना शुद्धिकरण के सीधे तमसा नदी में गिरना अत्यंत गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मांग की कि नाले का पानी पूरी तरह साफ होकर ही तमसा नदी में छोड़ा जाए। साथ ही हनुमान घाट पर पुल का निर्माण शीघ्र कराया जाए, गाय घाट सहित तमसा नदी के सभी घाटों का नियमित निरीक्षण किया जाए, अब तक कराए गए घाट निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच हो, तथा तमसा नदी को पूरी तरह स्वच्छ कर नौका विहार जैसी जनोपयोगी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे धार्मिक आस्था के साथ–साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। विक्रम जीत सिंह ने कहा कि तमसा नदी मऊ की सांस्ःतिक पहचान है और इसके संरक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आम आदमी पार्टी जन आंदोलन करने को मजबूर होगी। आज के निरीक्षण कार्यक्रम में ऋषिकेश पांडे, संजीव सिंह, रामचंद्र कुमार, इकबाल अहमद, मनोज कुमार सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जिला कारागार में कैदी की संदिग्ध मौत

- परिजनों का आरोप, बिना सूचना इलाज के नाम पर ली गई जान

न्यूज़ वाणी ब्यूरो /अमेठी। जिले के जिला कारागार में बंद एक कैदी की इलाज के दौरान मौत से हड़कंप मच गया है। मृतक की पहचान भादर क्षेत्र के थाना रामगंज निवासी शैलेंद्र कुमार सिंह पुत्र राम .पाल के रूप में हुई है। शैलेंद्र कुमार सिंह 27 मार्च 2025 को धारा 307 के तहत जेल भेजे गए थे। परिजनों का आरोप है कि जेल प्रशासन द्वारा बंदी की बिगड़ती तबीयत की कोई जानकारी समय रहते नहीं दी गई। मृतक के परिजन आशीष सिंह का कहना है कि शैलेंद्र की हालत गंभीर थी, लेकिन इसकी सूचना परिवार को नहीं दी गई। आज सुबह करीब 5 बजे रामगंज थाना पुलिस द्वारा मौत की जानकारी दी गई, जिससे परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का आरोप है कि यदि समय पर इलाज और सूचना दी जाती तो शैलेंद्र की जान बचाई जा सकती थी। घटना को लेकर जेल प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की बात कही जा रही है। वहीं परिजन दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

प्रयोगशाला से खेतों तक तकनीक पहुंचाने का सशक्तमाध्यम है केवीके : शाही

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

मानपुर, सीतापुर। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि विज्ञान केंद्र कटिया में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो के सहयोग से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए मिशन नवशक्ति के तहत ऑर्नामेंटल फिश बैंक का किया शुभारंभ। मंत्री ने कहा कि केवीके केवल एक केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास का वह इंजन है जो प्रयोगशाला की आधुनिक तकनीक को सीधे किसान के खेत तक पहुँचाने का काम कर रहा है। मिशन नवशक्ति के माध्यम से केवीके कटिया ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन मिले, तो हमारी ग्रामीण महिलाएँ वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। भारतीय .षि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो से मिशन नवशक्ति की नोडल डॉ पूनम जयंत ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को सूक्ष्म–उद्यमी बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जिसे वैश्विक स्तर पर मिली महिला सशक्तिकरण और आजीविका सुधार के इस नवाचारी मॉडल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। खाद्य एवं .षि संगठन ने 16 अक्टूबर 2025 को 80 वें विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर इस परियोजना को इसके परिवर्तनकारी .ष्टिकोण के लिए सस्टेनेबल एक्वाटिक फूड सिस्टम्स के लिए वैश्विक तकनीकी मान्यता से सम्मानित किया है। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ दया शंकर श्रीवास्तव बताया कि इस परियोजना के तहत अब तक लगभग 570 महिलाओं को मत्स्य पालन के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षित किया गया है। विशेष रूप से अनुसूचित जाति समुदाय की 75 महिलाओं को एक्वेरियम निर्माण और

सजावटी मछली प्रबंधन में दक्ष कर उन्हें सूक्ष्म–उद्यमी बनाया गया है। यह फिश बैंक महिलाओं द्वारा तैयार की गई मछलियों के संग्रह और वितरण केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिसे सीधे के.वी.के. कटिया और प्ब्।त्—छठथ्ळत से जोड़ा गया है। बिसवां विधायक निर्मल वर्मा ने के. वी.के. कटिया के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह मॉडल सीतापुर के मत्स्य पालन क्षेत्र में सूक्ष्म–उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर एमएलसी पवन सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल एवं जिला उपाध्यक्ष सुधाकर शुक्ल उपस्थित थे। मिशन नवशक्ति को के.वी.के. कतिया (सीतापुर), एक्वावर्ल्ड और हाई–टेक फिशरीज के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है। इस परियोजना का नेतृत्व डॉ. काजल चक्रवर्ती (निदेशक) के मार्गदर्शन में डॉ. पी.जे. एस. (नोडल), ए.के. पाठक, इंद्रमणि राजा, डॉ. दया शंकर श्रीवास्तव, डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह और डॉ. आनंद सिंह एवं टीम द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान, 30 प्रगतिशील मत्स्य पालकों को बाजार में उत्पाद बेचने में सहायता के लिए आइस बॉक्स और वेइंग स्केल जैसे आवश्यक उपकरण भी वितरित किए गए।

अधिवक्ताओं को विशेष पहचान व सामाजिक भागीदारी में सहयोग हेतु

- नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन का विधि प्रकोष्ठ पत्रकारों की ढाल, संविधान की ताकत

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

नई दिल्ली। पत्रकारिता की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और सुरक्षा आज गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। देशभर में पत्रकार झूठे मुकदमों, धमकी, उत्पीड़न और कानूनी दबाव का सामना कर रहे हैं। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन (छश्र।) ने अधिवक्ताओं को विशेष पहचान और सामाजिक भागीदारी देने के उद्देश्य से अपने विधि प्रकोष्ठ (स्महंस ब्मसस) को सशक्त रूप प्रदान किया है। इस विधि प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों को त्वरित और प्रभावी कानूनी संरक्षण उपलब्ध कराना, प्रेस स्वतंत्रता की रक्षा करना तथा अधिवक्ताओं को एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है, जहाँ वे समाज, मीडिया और संविधान के लिए अपनी भूमिका को और अधिक प्रभावी बना सकें। विधि प्रकोष्ठ की भूमिका छश्र। का विधि प्रकोष्ठ देशभर में कार्यरत अधिवक्ताओं के सहयोग से पत्रकारों को मानहानि, आईटी एक्ट, पुलिस नोटिस, गिरतारी, धमकी, सेंसरशिप और दमन जैसे मामलों में निःशुल्क या रियायती कानूनी सहायता प्रदान करेगा। इसके साथ ही पत्रकारों के लिए "पत्रकार और कानून" विषय पर प्रशिक्षण, कानूनी जागरूकता शिविर और मार्गदर्शिका पुस्तिका भी तैयार की जा रही है। अधिवक्ताओं के लिए सुनहरा अवसर नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने देशभर के अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे विधि प्रकोष्ठ से जुड़कर पत्रकारों की सुरक्षा और लोकतंत्र की रक्षा में सहभागी बनें। विधि प्रकोष्ठ से जुड़ने पर अधिवक्ताओं को . राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा और पहचान मीडिया और समाज में प्रभावशाली मंच प्रोफेशनल नेटवर्क और प्रैक्टिस विस्तार प्रशिक्षण, सेमिनार और नीति निर्माण में सहभागिता विशेष सम्मान एवं पुरस्कार जैसे अनेक लाभ प्राप्त होंगे। पत्रकार और अधिवक्ता . लोकतंत्र की संयुक्त शक्ति छश्र। का मानना है कि झ "जब कलम और संविधान साथ खड़े होते हैं, तब लोकतंत्र सुरक्षित होता है।" इसी विचार के साथ विधि प्रकोष्ठ पत्रकारों और अधिवक्ताओं को एक मंच पर लाकर सत्य, न्याय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा। राष्ट्रीय नेतृत्व का संदेश नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने कहा कि विधि प्रकोष्ठ केवल एक इकाई नहीं, बल्कि पत्रकारों की सुरक्षा की ढाल और अधिवक्ताओं के लिए सामाजिक नेतृत्व का मंच है। आने वाले समय में प्रत्येक राज्य और जिला स्तर

पर विधि प्रकोष्ठ का विस्तार किया जाएगा। जुड़ने हेतु संपर्क इच्छुक अधिवक्ता विधि प्रकोष्ठ से जुड़ने के लिए नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ईमेल राष्ट्रीय विधि प्रकोष्ठ समन्वयक रजनीश कुमार से संपर्क +91 96501 59386 पर सकते हैं।

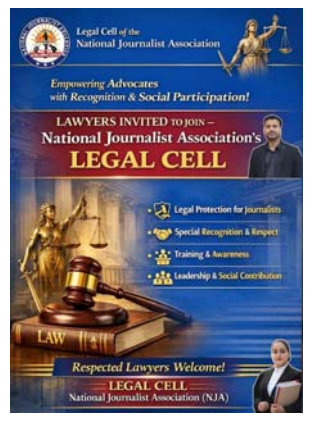

जिले को बड़ी स्वास्थ्य सौगात, हर सोमवार निःशुल्क परामर्श

- प्रकाश हॉस्पिटल में शुरू हुआ हृदय रोग एवं कान-नाक-गला का संपूर्ण इलाज

- प्रत्येक सोमवार निःशुल्क परामर्श, 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे हृदय रोग विशेषज्ञ

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

मऊ। जनपद मुख्यालय स्थित प्रकाश हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए हृदय रोग तथा कान, नाक एवं गला (ईएनटी) विभाग की शुरुआत कर दी है। इस नई सुविधा से अब मऊ सहित आसपास के जिलों के मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। इस उपलब्धि की जानकारी प्रकाश ग्रुप के चेयरमैन डॉ. मनीष राय ने शनिवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में हृदय रोग विभाग की जिम्मेदारी प्रख्यात कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विश्वजीत सिंह को सौंपी गई है, जो सप्ताह के सातों दिन 24 घंटे अपनी सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। इससे आपातकालीन स्थिति में मरीजों को तत्काल और जीवनरक्षक उपचार मिल सकेगा। अस्पताल में हृदय रोग से संबंधित सभी अत्याधुनिक जांच एवं उपचार सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। इनमें 2डी इको, एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी तथा पेसमेकर इम्प्लांटेशन जैसी उन्नत चिकित्सा सेवाएं शामिल हैं। इसके साथ ही प्रत्येक सोमवार को हृदय रोग परामर्श पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इसके अलावा प्रकाश हॉस्पिटल में कान, नाक एवं गला विभाग भी पूरी तरह प्रारंभ कर दिया गया है, जहां ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. वैष्णवी राय द्वारा संबंधित रोगों का सटीक इलाज एवं जटिल सर्जरी की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. मनीष राय ने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य मऊ जनपद के लोगों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उनके अपने शहर में उपलब्ध कराना है। हृदय रोग विभाग की शुरुआत जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे मरीजों का समय और धन दोनों की बचत होगी और रेफरल की समस्या से भी निजात मिलेगी। प्रकाश हॉस्पिटल की इस पहल से मऊ जिला चिकित्सा के क्षेत्र में एक नए मुकाम पर पहुंच गया है, जिससे स्थानीय स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती मिलने के साथ–साथ आम जनमानस को बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी।

विवादों में खीरी का रामलीला पार्क, बार-बार पैमाइश का ड्रामा, समाधान अब भी कोसों दूर

– कथित प्रॉपर्टी डीलरों को फायदा पहुंचाने के लिए जानबूझकर लटकाया

– जा रहा पार्क का निर्माण, तहसील प्रशासन की भूमिका पर उठे सवाल

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। नगर पंचायत खीरी स्थित पुलिस चौकी के पास मौजूद ऐतिहासिक रामलीला पार्क एक बार फिर विवादों का अखाड़ा बन गया है। पार्क की जमीन को लेकर चला आ रहा पुराना विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक बार फिर तहसील प्रशासन की टीम दल–बल के साथ मौके पर पहुंची और जमीन की नपाई (पैमाइश) शुरू की, लेकिन स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह कवायद महज आंखों में धूल झोंकने जैसी है। कई बार की पैमाइश के बावजूद अब तक पार्क की सीमा का निर्धारण न होना और निर्माण कार्य का न हो पाना प्रशासन की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। बार–बार नपाई, नतीजा शून्य कस्बा खीरी के निवासियों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब प्रशासन ने यहां फीता डाला है। इससे पहले भी कई बार अधिकारी आए, नपाई की और चले गए, लेकिन विवाद का कोई स्थायी हल नहीं निकला। हर बार नपाई के बाद फाइलें ठंडे बस्ते में चली जाती हैं और पार्क की जमीन जस की तस पड़ी रहती है। स्थानीय नागरिक का कहना हैरू ष्साहब, हर थोड़े दिन में नपाई होती है, लेकिन पार्क का काम शुरू नहीं होता। हमें तो लगता है कि प्रशासन जानबूझकर मामले को उलझाए रखना चाहता है ताकि कथित प्रॉपर्टी डीलरों इसका फायदा उठा सकें। प्रॉपर्टी डीलरों को फायदा पहुंचाने की चर्चा जोरों पर इस पूरे विवाद के पीछे अब एक बड़ा श्खेलश सामने आ रहा है। दबी जुबान में ही सही, लेकिन कस्बा खीरी में यह चर्चा आम है कि रामलीला पार्क के सुंदरीकरण और निर्माण कार्य को रोकने के पीछे कथित प्रॉपर्टी डीलरों और का हाथ है। आरोप है कि पार्क के आसपास की जमीनों के दाम बढ़ाने और सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को वैधता दिलाने के लिए प्रॉपर्टी डीलर्स सक्रिय सुरक्षित नहीं है, तो यह कानून व्यवस्था और प्रशासनिक क्षमता पर प्रश्नचिह्न है। जनता अब सवाल पूछ रही है कि आखिर वह कौन सी अ.श्य शक्ति

हैं। लोगों का मानना है कि प्रशासन के कुछ लोग कथित तौर पर इन डीलरों को फायदा पहुंचाने के चक्कर में पार्क के विवाद को जानबूझकर सुलझाना नहीं चाहते। यही कारण है कि बार–बार पैमाइश का नाटक किया जाता है, लेकिन सीमांकन कर पक्की बाउंड्री नहीं बनाई जाती। प्रशासन की भूमिका संदिग्ध पुलिस चौकी के ठीक पास स्थित होने के बावजूद अगर एक सार्वजनिक पार्क की जमीन है जो बार–बार नपाई के बाद भी पार्क का काम शुरू नहीं होने दे रही? खीरी की जनता अब जिला अधिकारी से हस्तक्षेप की मांग कर रही है। लोगों का स्पष्ट कहना है कि अब उन्हें नपाई नहीं, बल्कि कार्रवाई चाहिए। यदि जल्द ही पार्क का सीमांकन कर इसे अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया और निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, तो यह विवाद एक बड़े जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

आज चुनेंगे व्यापारी अपनी कार्यकारिणी

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

रुपईडीहा, बहराइच। स्थानीय मिनी सिंह मार्केट में 18 जनवरी रविवार को रुपईडीहा बाजार के 8 सौ 36 मतदाता अपनी कार्यकारिणी का चुनाव करेंगे। चुनाव समिति के आचार्य दयाशंकर शुक्ल, संजय बंसल, शेर सिंह कसौंधन, विवेक शुक्ल, शकील अहमद, जाफर इमाम रिजवी, संतोष शुक्ल, अजय मित्तल व दिवाकर पाठक चुनाव सम्पन्न कराएंगे। एक सप्ताह से प्रत्याशी पोस्टर, बैनर व पंफलेट द्वारा दिन रात अपने पक्ष में मतदान के लिए मतदाताओं से मिन्नतें करते देखे गए। ध्वनि विस्तारक यंत्रों से भी प्रत्याशियों ने भी चुनाव प्रचार के लिए दिन रात एक कार दिया। चुनाव समिति ने यह भी आग्रह किया है कि सभी व्यापारी इस चुनाव को उत्सव के रूप में लें व अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रखें।

विकास भवन में हुआ व्यापारी संवाद कार्यक्रम, दी जानकारी

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

गाजीपुर। शासन द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य द्वारा किया गया। व्यापारी संवाद कार्यक्रम में जीएसटी–2.0 सुधारों के प्रति जागरूकता हेतु उद्यमियों, करदाताओं एवं अन्य स्टेक होलडर्स के साथ संवाद स्थापित

किया गया। जिसमें पंजीयन, रिटर्न फाईलिंग, समाधान योजना, व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना, ईट भट्ठा से प्राप्त होने वाले राजस्व के संबंध में प्रोजक्टर के माध्यम से विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। व्यापारियों से संवाद के क्रम में व्यापारियों द्वारा समस्याओं के संबंध जो सुझाव दिये गये उनका संकलन किया गया। सुझावों में मुख्य रूप से हेल्प डेस्क स्थापित किये जाने तथा आनलाईन नोटिस के साथ मैन्यूवली प्रेषित किये जाने, तहसील स्तर पर संवाद कार्यक्रम आयोजित करने, ईट भट्ठा व्यवसायियों के लिये पाये के आधार पर समाधान योजना (जैसा कि वैट अधिनियम में लागू था) लाने तथा कर न देने वाले भट्ठों के संबंध में कार्यवाही कराये जाने का सुझाव दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुरेन्द्र बहादुर संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) वाराणसी, उपायुक्त सर्वेश कुमार सिंह, जयसेन, विवेक मिश्रा, एवं सहायक आयुक्त प्रभात कुमार सिंह, प्रतिभा राय तथा राज्य कर अधिकारी विवेक मणि तिवारी, किरन पुष्कर एवं राज्य कर गाजीपुर के समस्त कर्मचारी तथा व्यापार मण्डल के विजय वर्मा, लल्लन सिंह, अनिश अहमद, अशोक अग्रहरी, अच्छे लाल कुशवाहा, एवं टैक्स बार एसो० के अध्यक्ष बंसत सेठ एवं अन्य पदाधिकारीगण सम्मानित करदाता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना के लाभार्थी को सम्मानित किया गया। इलेक्ट्रानिक मीडिया से संबंधित मीडिया कर्मियों द्वारा कार्यक्रम का व्यापक रूप से कवरेज किया गया।

कोतवाली से पांच सौ मीटर दूर घर में चोरी

- मकर संक्रांति पर ससुराल गए व्यापारी के घर से नगदी, जेवर चोरी

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

तालगांव, सीतापुर। कोतवाली कस्बे में एक व्यापारी के घर चोरी हो गई। चोरों ने घर से 75,000 रुपये नकद, जेवर और महत्वपूर्ण दस्तावेज चुरा लिए। यह घटना कोतवाली से मात्र 500 मीटर की दूरी पर हुई। व्यापारी पंकज गुप्ता मकर संक्रांति के अवसर पर अपने ससुराल गए थे। शनिवार को जब पंकज गुप्ता अपने घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाने पर सारा सामान बिखरा हुआ था और अलमारी भी टूटी हुई थी। चोरों ने घर में रखी 75,000 रुपये की नगदी, एक मटर माला, एक झूलनी, आधार कार्ड और मोटरसाइकिल के कागजात चुरा लिए। पीड़ित पंकज गुप्ता एक गल्ला व्यापारी हैं। उन्होंने बताया कि चोरी हुई नगदी उनके व्यवसाय के लिए घर में रखी थी। पंकज ने यह भी बताया कि उनके छोटे बच्चे भी उनके साथ ससुराल गए थे और शुक्रवार को वापस आने का प्लान था, लेकिन ठंड के कारण वे नहीं आ पाए। तालगांव कोतवाली प्रभारी आशीष तिवारी ने बताया कि उन्हें चोरी की तहरीर मिल गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ख़ानक़ाह ए कलीमियां में परचम कुशाई के साथ उर्स का हुआ आगाज

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

शाहजहांपुर, मीरानपुर कटरा। बेशुमार जायरीनों की अकीदत का मरकज़ बनी ख़ानक़ाह के सज्जादानशीन ने उर्स का आगाज करते हुए मुल्क व कौम की खुशहाली के लिए दुआ की। नगर की प्रमुख ख़ानक़ाह ए कलीमियां शनिवार की प्रातः बाद नमाज़ ए फज्र कुरान खानी हुई कुरान ख्वानी के बाद हजरत सैय्यद आदिल महमूद कलीमी चिश्ती कादरी ने परचम कुशाई की रस्म से 139 वां वार्षिक उर्स का शुभारंभ किया। उर्स में आये हुए जायरीनों ने परचम कुशाई की रस्म में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। परचम कुशाई में सज्जादानशीन

हजरत सैय्यद आदिल महमूद कलीमी चिश्ती क़ादरी ने मुल्क व क़ौम की खुशहाली के लिए दुआ की। उर्स में आये हुए बेशुमार अकीदतमंद जायरीनों ने सज्जादानशीन की दस्तवोशी कर ख़ानक़ाह में हाजिरी दी पीराने उज्जाम हजरत सैयद कासिम अली कलीमी रहमतुल्लाह अलेह के मजार पर दुरुद ओ सलाम का नजराना पेश किया गया। फातिहाख्वानी कर ईसाले सबाब किया गया इस दौरान हजरत सैय्यद सरवर महमूद कलीमी एहशाम मियां, मौलाना जिलानी कादरी, मौलाना ज़मीर क़ादरी, क़ारी फरमान कादरी, इमाम जमील अख्तर, हाजी सगीर खान आदि मौजूद रहे।

फतेहपुर के डा. जमाल चश्में वालों की मशहूर दुकान
फैसल चश्में वाले
(साइन्टिफिक आप्टीशियन)
किशनपुर रोड, चौड़ा खेर गली के अन्दर, शिब्बू मोबाइल के बगल में, मस्जिद के नीचे पहुंच गई है।
(जापानी कम्प्यूटर द्वारा आंखों की जाँच)
हमारे यहाँ पर आखों की जाँच करके नज़र व धूप के चश्में बनायें जाते है।
नोट- सरदर्द, आँखों में दर्द, मोतिया बिन्द, समलबाई, धुन्ध, आपरेशन आँख दूर व पास के अक्षर साफ न दिखाई देने पर साइन्टिफिक आप्टीशियन द्वारा आँखों की जाँच करके नज़र व धूप के चश्में बनाये जाते है व साफट कान्टेक्ट लेन्स लगायें जाते है एवं कान की मशीन भी उपलब्ध है।
नोट- मोतिया बिन्द के आपरेशन व आँखों के अन्य आपरेशनों के साथ-साथ लैसिक द्वारा चश्मा हटवाने के लिए सम्पर्क करें। आँख के अन्दर (I.O.L.) लेन्स लगवाने के 21 दिन बाद अवश्य चश्मा लगवा लें वरना रोशनी कम होने का खतरा बना रहता है।
फैसल चश्में वाले
किशनपुर रोड, चौड़ाखेर गली के अन्दर, शिब्बू मोबाइल के बगल में, मस्जिद के नीचे, खागा-फतेहपुर
डा. जमाल अहमद, जी.टी. रोड, फतेहपुर, MBBS. (H) P.M.P
हाजी ख़लीक़ अहमद जाफरी, सम्पादक कारवाने हक, 9415065213
एफ.ए.जाफरी, D.R. (Opt.), 7379440876

डीएम ने सीएम डैशबोर्ड व आईजीआरएस संदर्भों की ली समीक्षा बैठक

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

बहराइच। शासन के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों सीएम डैशबोर्ड व आईजीआरएस सन्दर्भों की समीक्षा के लिए गत दिवस देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा निस्तारण के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही का प्रभावी अनुश्रवण करते हुए रैंक में सुधार लाये ताकि जनपद की रैंकिंग प्रभावित न होने पाये। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि 60 प्रतिशत से कम संतुष्टि पाये जाने पर अधिकारियों के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा करते हुए रहें तथा यह सुनिश्चित करें कि संतुष्टि का प्रतिशत कम न होने पाये। सीएम डैशबार्ड की समीक्षा के दौरान डीएम ने निर्देश दिया कि जल निगम अन्तर्गत पूर्ण 33 परियोजनाओं को टीम बनाकर सत्यापन कराया जाय। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया गया कि 15वां वित्त एवं 05वां वित्त अन्तर्गत उपलब्ध घनराशि की ग्राम पंचायतों में लिस्ट चस्पा की जाय। पीएम सूर्यघर योजना की समीक्षा करते हुए डीएम ने निर्देश दिया कि सचिव व ग्राम प्रधानों से समन्वय करते हुए आमजन को जागरूक किया जाय ताकि अधिक से अधिक लोग स्वेच्छा से इस योजना का लाभ उठायें। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के लक्ष्य की पूर्ति हेतु अन्य विभागों से भी सहयोग लेने का निर्देश दिया। सभी प्रकार की छात्रवृत्ति की समीक्षा करते हुए माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिया गया कि विद्यालयों के स्तर पर लम्बित आवेदन पत्रों का निस्तारण कराया जाय। डीएम ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिया कि पयागपुर अन्तर्गत अमृतेश्वर शिव मन्दिर व नानपारा के बरदहाकलां में स्थित मन्दिर का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाय। ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक माह हेतु निर्धारित लक्ष्य का अनुश्रवण करते रहें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

स्पेशनल प्रोजेक्ट फार इक्विटी के तहत हुई कार्यशाला

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फिरोजाबाद। जिला बेसिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में संचालित स्पेशल प्रोजेक्ट फॉर इक्विटी के तहत पॉवर एंजेल्स का सशक्तिकरण

सेल्फ एस्टीम और नेतृत्व क्षमता के विकास पर आयोजित दो दिवसीय मीना मंच सुगमकर्ता कार्यशाला का शनिवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र पर भव्य समापन हुआ। जिसमें ब्लॉक के सुगमकर्ताओं ने प्रतिभाग कर बालिकाओं के सशक्तिकरण और शिक्षा में समानता लाने की बारीकियों को सीखा। इस दौरान प्रशिक्षकों द्वारा वीरांगना पोर्टल के माध्यम से बालिकाओं को आत्मरक्षा का पाठ पढ़ाने, अरमान मॉड्यूल के जरिए जीवन कौशल विकसित करने और प्रगति के पंख गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व को निखारने का गहन प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही मास्टर ट्रेनर सीमा रानी एवं मनीषा रानी ने विभिन्न महत्वपूर्ण घटकों पर विस्तार से प्रकाश डाला और विभिन्न ग्रुप गतिविधियों के माध्यम से यह भी सिखाया गया कि कैसे रोचक तरीके से विद्यालय स्तर पर मीना मंच का सशक्तिकरण किया जा सकता है। कार्यक्रम के समापन सत्र में खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि सभी सुगमकर्ता अपने–अपने विद्यालयों में बालिकाओं की प्रगति के लिए अग्रदूत बनकर कार्य करेंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पाण्डेय ने कहा कि मीना मंच विद्यालयों में बालिकाओं को जागरूक करने का सबसे सशक्त माध्यम है और इसका प्रभावी क्रियान्वयन विद्यालयों में होना अनिवार्य है। ताकि बच्चों के आत्मविश्वास में वृद्धि हो सके।

अनियंत्रित डंफरों पर रोका नहीं तो मौतें जारी रहेंगी : शुभम

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

डलमऊ, रायबरेली। क्षेत्र में अनियंत्रित डंफरों के कारण हो रही लगातार दुर्घटनाओं और हाल ही में दो सगे भाई–बहन की दर्दनाक मृत्यु के मामले को लेकर आज उपजिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासन को सौंपा गया। उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में यह ज्ञापन तहसीलदार को

देकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने तथा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि डलमऊ क्षेत्र के लालगंज मार्ग पर अनियंत्रित एवं तेज़ रतार डंफरों के कारण आए दिन गंभीर दुर्घटनाएँ हो रही हैं हालिया घटना में अंकित कुमार एवं सोनम, जो सगे भाई–बहन थे निवासी पूरे कुंजन चांदपुर लूक की मौके पर ही अत्यंत दुखद व आकस्मिक मृत्यु हो गई यह घटना न केवल एक परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गहरी चिंता का विषय है भय का माहौल इतना बढ़ गया है कि लोग अपने बच्चों को विद्यालय भेजने और आमजन सड़क पर निकलने से डर रहे हैं ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि उक्त मार्ग पर पूर्व में भी डंफरों के कारण कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं, जिनमें अनेक निर्दोष लोगों की जान गई, लेकिन आज तक कोई प्रभावी रोक–थाम व्यवस्था लागू नहीं की गई मृतक भाई–बहन की माता एक निराश्रित विधवा हैं, जिनका परिवार मजदूरी के सहारे चलता था इस दुर्घटना के बाद परिवार के सामने गंभीर आजीविका संकट खड़ा हो गया है। प्रशासन से मांग की गई कि मृतक अंकित कुमार एवं सोनम के परिवार को तत्काल 50 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। मृतकों की निराश्रित माता के नाम प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास अथवा समकक्ष योजना के अंतर्गत पक्का आवास स्वी.त किया जाए। परिवार के भरण–पोषण हेतु एक सदस्य को स्थायी/पक्की सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। डलमऊ क्षेत्र में प्रतिदिन चल रहे अनियंत्रित डंफरों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए तथा सख्त निगरानी एवं नो–एंट्री व्यवस्था लागू की जाए, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। तहसीलदार डलमऊ ने ज्ञापन प्राप्त कर मांगों को गंभीरता से सुना और उच्चाधिकारियों तक प्रेषित कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस मौके पर अशोक यादव जिला पंचायत, राजेंद्र यादव, देवराज यादव, राजेश चंद्रा, अखिलेश बबलू, एडवोकेट संतोष यादव, जितेन्द्र नेता, वीरेंद्र पूतू, नीरज यादव, मुन्ना यादव, अनुराग यादव, संदीप मास्टर, मनोज यादव, अर्जुन, विमल, सत्येंद्र, गौरव सोनकर अन्य सैकड़ों ग्रामीण व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील महसी में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

बहराइच। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए तहसील महसी में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी आलोक प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद, जिला विकास अधिकारी राज कुमार व अन्य अधिकारियों के साथ आए हुए फरियादियों के समस्याओं की गंभीरता पूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम श्री त्रिपाठी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं

गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाये। डीएम ने कहा कि निस्तारण की कार्यवाही इस प्रकार की जाय कि फरियादी निस्तारण की कार्यवाही से संतुष्ट हो सके। डीएम ने निर्देशित किया जनसुनवाई में आने वाले ज़रूरतमन्द तथा असहाय लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाये तथा उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं से लाभान्वित करें। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय, डीएसओ नरेन्द्र तिवारी, डीपीओ निहारिका विश्वकर्मा, जिला गन्ना अधिकारी आनन्द शुक्ला, एलडीएम जितेन्द्र मंसद व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, बीईओ, सीडीपीओ व थानाध्यक्ष मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि तहसील महसी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 45 में 02, मिहींपुरवा (मोतीपुर) में प्राप्त 16 में 01, कैसरगंज में 21 में 04, पयागपुर में 20 में 04, नानपारा में 30 में 06 तथा तहसील सदर में प्राप्त 12 प्रार्थना–पत्रों में से 02 का निस्तारण मौके पर किया गया।

जी राम जी विधेयक सोच व संकल्प .ष्टि का दर्पण : नन्दी

– जी राम ज़ी विधेयक ग्रामीण रोजगार की दिशा में ऐतिहासिक कदम

– विधेयक एक समृद्ध और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की गारंटी है

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

बाँदा। विकसित भारत–गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) को लेकर भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जिले के प्रभारी मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी की विराट सोच और व्यापक .ष्टि एवं संकल्प का दर्पण है। यह विधेयक 2047 विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप परिवर्तनकारी बदलाव के साथ ग्रामीण रोजगार की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। पूरे देश के श्रमिक सम्मान के साथ आजीविका और रोजगार की गारंटी के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दे रही है। उन्होंने कहा कि विधेयक में विपक्ष के दुष्प्रचार और शोरगुल से हटकर एक समृद्ध और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की गारंटी है। इस विधेयक में ग्रामीण परिवार को मिलने वाला निश्चित रोजगार 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। इसी प्रकार 180 दिनों की गारंटी देता है। इसमें किसी के हितों की सुरक्षा की गई है जिसमें फसल बोने और काटने के प्रमुख मौसमों के दौरान अधिनियम के अन्य कार्यों को रोका जायेगा। प्रभारी मंत्री ने कहा कि यदि ग्रामीणों को ग्रामीणों को काम की माँग के 15 दिनों के अंदर रोजगार नहीं मिलता तो भत्ता दिया जायेगा। साथ ही इस अधिनियम के अन्तर्गत मांगे गए काम के 7 दिनों में यदि काम का भुगतान नहीं नहीं मिलता तो व्याज सहित भुगतान

कराया जायेगा। प्रेस वार्ता में जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत, जिला महामंत्री विवेकानंद गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी उत्तम सक्सेना, धर्मेन्द्र त्रिपाठी, राजर्षि शुक्ला के अलावा समर्थित पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

योद्धा ने सात विकेट से मैच जीत कर फाइनल में बनाई जगह

- कल दूसरा सेमीफाइनल ब्लास्टर व बहराइच थडर्स के बीच खेला जाएगा

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

बहराइच। स्वर्गीय कुसमेंन्द्र सिंह राणा की स्मृति में खेला जा रहा

ग्लैमरस टाइप प्रीमियर लीग में आज टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला ग्लेडिएटर्स एवं योद्धा के बीच खेला गया। मैच में मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष भाजपा रणविजय सिंह व डिवाइन पब्लिक स्कूल के ऑनर जॉय रायतानी मौजूद रहे। मुख्य अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। बहराइच योद्धा के कप्तान ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। ग्लेडिएटर्स की बल्लेबाज एक निश्चित अंतराल पर अपना विकेट गंवाते रहे और पूरी टीम बड़ा स्कोर नहीं खड़ा कर सकी। निर्धारित 22 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर मात्र 115 रनों का स्कोर खड़ा किया जिसमें अमन पांडेय के 34 एवं आर्यन क्षितिज के 35 रन शामिल रहे। योद्धा की तरफ से सभी गेंदबाजों ने एक–एक विकेट लिया। 116 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए योद्धा के बल्लेबाजों ने सधी हुई शुरुआत की। अमन पासवान ने नाबाद 57 रनों की पारी खेली। जिसकी बदौलत बहराइच योद्धा ने आसानी से 18 ओवर में 120 रन बनाकर 7 विकेट से मुकाबला जीत लिया। ग्लेडिएटर्स की तरफ से अनुज ठाकुर ने दो व वैभव सूरज ने एक विकेट अपने नाम किया। शानदार प्रदर्शन की बदौलत अमन पासवान को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया और अनुज ठाकुर को इमर्जिंग प्लेयर का पुरस्कार दिया गया। मैच में अंपायरिंग की भूमिका आतिफ खान एवं अकील अहमद ने निभाई। स्कोरर की भूमिका में यश चौरसिया मौजूद रहे। आंखों देखा हाल आदिल जमीर के द्वारा सुनाया गया। लाइव प्रसारण आशुतोष कैराती के द्वारा किया गया। इस दौरान सुनील राय, इतिखार अली, रामानंद सिंह, देवाशीष राय आयुष चित्रांश, कार्तिकेय सिंह, तुषार सोनी, सारिक, उत्कर्ष एवं अन्य खेल प्रेमी मौजूद रहे।

रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में योगी सरकार देने जा रही हॉस्टल सुविधा

- लगभग सवा नौ करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा हॉस्टल

- अक्टूबर के महीने तक हॉस्टल छात्र छात्राओं के लिए बनकर हो जाएगा तैयार

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

बांदा। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में बीएससी नर्सिंग की छात्र–छात्राओं को योगी सरकार बेहतर हॉस्टल की सुविधा देने जा रही है और बीएससी नर्सिंग के छात्र–छात्राओं के लिए 922.78 लाख रुपए की लागत से 100 बेड का हॉस्टल बनाया जा रहा है जो अक्टूबर के महीने तक बनकर तैयार हो जाएगा। हॉस्टल में लड़के और लड़कियों की लिए अलग–अलग कमरे बनाए जा रहे हैं और तीन मंजिला हॉस्टल बन जाने के बाद छात्र–छात्राओं को स्थाई रूप से रहने की व्यवस्था हो जाएगी। साल 2022 से पठन पाठन का कार्य है संचालित बांदा के रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में बीएससी नर्सिंग का पठन पाठन साल 2022 से संचालित चल रहा है। जिसमे चित्रकूट मंडल के चारों जिलों, महोबा, हमीरपुर, बांदा व चित्रकूट सहित एमपी के छतरपुर व पन्ना के अलावा अतिरिक्त गैर जनपदों जैसे झांसी, उन्नाव व कानपुर आदि के छात्र–छात्राएं यहां पर पढ़ाई करते हैं। और अभी इनके लिए यहां पर कोई स्थाई हॉस्टल नहीं है जिसके चलते छात्र–छात्राओं को थोड़ी असुविधा होती है। वही हॉस्टल के बन जाने के बाद यहां पर छात्र–छात्राओं के रहने के लिए उनके कमरों में मेज, कुर्सी, अलमारी व तखत समेत जरूरी चीजों को उपलब्ध

कराया जाएगा लगभग 70: हॉस्टल का भवन बनकर हुआ तैयार रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज बांदा के प्रधानाचार्य सुनील कौशल ने बताया कि बीएससी नर्सिंग कॉलेज व हॉस्टल तैयार होने से छात्र–छात्राओं में रहने की किसी तरह की समस्या नहीं होगी। और शिक्षण कार्य भी पहले से बेहतर हो जाएगा। और कार्रवाई संस्था के द्वारा हॉस्टल को बनाने का कार्य किया जा रहा है और यह हॉस्टल लगभग 70: बनकर तैयार हो गया है। जो सम्भवतः अक्टूबर के महीने तक बनकर तैयार हो जाएगा।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन योजना से कामगारों को मिलेगी वित्तीय स्थिरता

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फ़िरोज़ाबाद। असंगठित क्षेत्र के कामगारों को 60 वर्ष की आयु के बाद सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री श्रम योगी मान–धन योजना की शुरुआत की गई है, इस योजना के तहत 60 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद लाभार्थी को 3000 प्रति माह की न्यूनतम सुनिश्चित पेंशन मिलेगी, यदि पेंशन भोगी की मृत्यु हो जाती है, तो उसके जीवन साथी को पेंशन का 50 प्रतिशत पारिवारिक पेंशन के रूप में मिलेगा, जितना प्रीमियम श्रमिक जमा करेगा, उतनी ही राशि केंद्र सरकार भी उसके खाते में जमा करेगी। घर पर काम करने वाले रेहडी, पटरी वाले, मध्यान्ह भोजन श्रमिक, ईट –भट्ठा मजदूर, मोची, कचरा बिनने वाले, धोबी, रिक्शा चालक, भूमिहीन खेतिहर मजदूर इसके पात्रता श्रेणी में आएंगे। पात्रता हेतु मासिक आय 15000 या उससे कम होनी चाहिए। आवेदन के समय उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आयकर दाता नहीं होना चाहिए। ईपीएफओ, एनपीएस, ईएसआईसी का सदस्य नहीं होना चाहिए। योगदान की राशि व्यक्ति की प्रवेश आयु पर निर्भर करती है। यदि श्रमिक 18 वर्ष की आयु में जुड़ते हैं तो 55 प्रति माह देना होगा। यदि श्रमिक 40 वर्ष की आयु में जुड़ता है तो 200 प्रति माह देना होगा। आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड और बचत बैंक खाता एवं जनधन खाता, पात्र श्रमिक किसी भी नजदीकी सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। इसके संबंध में और जानकारी के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800 267 6888 पर संपर्क कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने इस योजना को श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण माना है और सहायक श्रमायुक्त को निर्देशित किया है कि जनपद के ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को इस योजना का लाभ मिले। साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि यह योजना असंगठित क्षेत्र के हमारे उन भाइयों बहनों के लिए एक सुरक्षा कवच है, जिनके पास बुढ़ापे के लिए कोई सहारा उपलब्ध नहीं है, उन्होंने इस योजना का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने हेतु निर्देशित किया।

बाबा बागेश्वर धाम की कथा के द्वितीय दिन उमड़ा आस्था का महासागर

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

बांदा। जनपद के मवई बाइपास चौराहा स्थित कथा स्थल पर आयोजित बाबा बागेश्वर धाम की विशाल दिव्य कथा के द्वितीय दिन श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अभूतपूर्व .श्य देखने को मिला। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर कथा श्रवण किया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया इस पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, बांदा के प्रभारी मंत्री नंद गोपाल नंदी, राज्य मंत्री मन्नू लाल कोरी, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री रामकेश निषाद, सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, महोबा विधायक राकेश गोस्वामी, विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर, गौ सेवा आयोग के सदस्य राजेश सिंह सेंगर, जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी. अनुरागी, पूर्व जिलाध्यक्ष बृजकिशोर गुप्ता, एमएलसी प्रतिनिधि रणविजय सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष मालती बासु, चेयरमैन विवेकानंद गुप्त, पूर्व चेयरमैन राजकुमार राज, पूर्व चेयरमैन विनोद जैन, सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कथा के दौरान बाबा बागेश्वर धाम की ओजस्वी वाणी ने श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कार और सनातन संस्कृति से जोड़ते हुए सामाजिक एकता का संदेश दिया। जयकारों, भजनों और मंत्रोच्चार से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत–प्रोत हो उठा। आयोजक प्रवीण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कल दिनांक 18 को बाबा बागेश्वर धाम का दिव्य माया दरबार आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश–प्रदेश से आए श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इस दिव्य दरबार को लेकर भक्तों में

विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यह विशाल कथा आयोजन आगामी 20 जनवरी तक जारी रहेगा और बांदा की धरती पर यह आध्यात्मिक महोत्सव जनमानस में आस्था, संस्कृति और सनातन मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

चिकित्सक चयन हेतु वॉक इन इंटरव्यू 21 को

न्यूज़ वाणी ब्यूरो /बहराइच। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि जनपद में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत विभिन्न कार्यकमों में संचालित रिक्त संविदा चिकित्सकों (एम.बी.बी.एस.) के पद पर नियुक्ति हेतु विकास भवन सभागार में 21 जनवरी को पूर्वान्ह 10:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक वॉक–इन–इन्टरव्यू का आयोजन किया गया है। सीएमओ डॉ. कुमार ने बताया कि पात्र एवं अपात्र पाए गये अभ्यर्थियो की सूची एनआईसी की वेवसाइट बहराइच डाट एनआईसी डाट इन अथवा कार्यालय, मुख्य चिकित्साधिकारी के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। इच्छुक पात्र अभ्यर्थी ससमय वॉक–इन–इन्टरव्यू में प्रतिभाग कर सकते हैं।

एसपी के निर्देश के बावजूद भी थाने में डटे सिपाही

– कैसरगंज थाने से इतना मोह कि जनाब का जाने का मन नहीं करता

न्यूज़ वाणी ब्यूरो /बहराइच। जिले के कैसरगंज थाने पर तैनात दो सिपाही विजय कुमार और अवधेश सिंह कुशवाहा जिनका 19 दिसम्बर को पुलिस अधीक्षक साहब के आदेश पर रामगांव थाने में ट्रांसफर हुआ था पर इन दोनों को कैसरगंज थाने से इतना मोह है, कि जनाब का जाने का मन नहीं करता जबकि इनके बाद क्षेत्राधिकारी कैसरगंज का ट्रान्सफर हुआ वो चले गए और कैसरगंज कोतवाल का ट्रांसफर हुआ वो भी चले गए लेकिन सिपाही अभी डेरा डाले हुए हैं। कैसरगंज थाने में आखिर किसके सह पर ये सिपाही एसपी साहब के आदेशों को नहीं मान रहे। मामले के सम्बन्ध में पुलिस क्षेत्राधिकारी डीके श्रीवास्तव ने कहा कि इनका स्थानांतरण हो चुका है लेकिन कार्यालय में जमे हुए हैं।

एसडीएम नानपारा ने किया बूथों का निरीक्षण

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

बहराइच। वोट बढ़वाने को विधानसभा नानपारा के सभी बूथों पर आयोजित हुआ मेगा कैंप। उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी द्वारा भाग संख्या 148 से 152 सआदत इंटर कॉलेज नानपारा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में बी0एल0ओ0 सुपरवाइजर व बी0एल0ए0 और अन्य मतदाता गण उपस्थित मिले। उपजिलाधिकारी ने बताया कि मेगा कैंप का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना है। कैंप में उपस्थित बीएलओ द्वारा आलेख्य निर्वाचक नामावली (ड्राट सूची) को पढ़कर सुनाया गया। छूटे हुए पात्र लोग अपना नाम जुड़वाने के लिए फार्म–6 नाम हटाने के लिए फार्म–7 या किसी संशोधन के लिए फार्म–8 जमा करने हेतु सबको जानकारी दी गई। एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी के द्वारा खुली बैठक में बीएलओ के अलावा राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट, लेखपाल व सुपरवाइजरको आवश्यक निर्देश दिये कि अगर आपको कोई पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में न शामिल होने पर फार्म 6 एवं अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में मिले तो तत्काल फार्म 7 भरवाकर सम्बन्धित बी0एल0ओ0 को प्राप्त कराये। मेगा कैंप में तहसीलदार नानपारा और स्कूल के प्राचार्य, आरके निर्वाचन एवं अन्य मतदाता गण उपस्थित रहे।

बेहतरीन फीचर्स के साथ ओप्पो ने लॉन्च की रेनो 15 सीरीज

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

लखनऊ। ओप्पो इंडिया ने ट्रैवल क्षेत्र फोटोग्राफी और युवा यूजर्स की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपनी ऑल–न्यू रेनो 15 सीरीज लॉन्च की है। इस सीरीज में रेनो 15 प्रो, रेनो 15 प्रो मिनी और रेनो 15 शामिल हैं। ओप्पो एवि इंडिया के हेड ऑफ कम्युनिकेशंस गोल्डी पटनायक ने कहा कि खास बात यह है,कि ओप्पो ने पहली बार बढ़ती कॉम्पैक्ट स्मार्टफोन डिमांड को देखते हुए प्रो मिनी वैरिएंट बा पेश किया है। रेनो 15 प्रो और रेनो 15 प्रो मिनी में 200 मेगापिक्सल का अल्ट्रा–क्लियर मेन कैमरा दिया गया है,जो कि प्योरटोन इमेजिंग टेक्नोलॉजी, 3.5एक्स ऑप्टिकल जूम और रेड 120एक्स डिजिटल जूम के साथ बेहतरीन फोटोग्राफी अनुभव प्रदान करता है। नई पॉपआउट फीचर टेक्नोलॉजी कई आ तस्वीरों या लाइव फोटो को जोड़कर आउट–ऑफ–फ्रेम औ इफेक्ट देती है, जिससे तस्वीरें और भी आकर्षक बनती हैं। बज रेनो 15 सीरीज आधुनिक यूजर्स की बदलती अपेक्षाओं के स्कू अनुरूप उन्नत एआई क्षमताएं, शानदार कैमरा सिस्टम और बि प्रीमियम डिजाइन प्रदान करती है। इसके साथ ही ओप्पो ने क्षेत्र अपने इकोसिस्टम का विस्तार करते हुए ओप्पो पैड 5 और निध ओप्पो एनको बड्स 3 प्रो+ भी लॉन्च किए हैं। ये प्रोडक्ट्स प्रोडक्टिविटी, मनोरंजन और दैनिक उपयोग के लिए आधुनिक फीचर्स के साथ पेश किए गए हैं।

जयसिंहपुर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस बना जनता की उम्मीदों का मंच

– 116 शिकायतें दर्ज, 9 का मौके पर निस्तारण, अफसरों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

सुलतानपुर। तहसील जयसिंहपुर सभागार में शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) राकेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखण्ड प्रताप सिंह सहित राजस्व, पुलिस एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समाधान दिवस के दौरान अपर जिलाधिकारी ने जनसामान्य की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के सख्त निर्देश दिए। समाधान दिवस में कुल 116 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 9 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही करा दिया गया। शेष प्रकरणों के संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करें। अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनता को न्याय दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और संवेदनशील मामलों में तत्काल प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में जनपद की अन्य तहसीलों में भी सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनी गईं तथा तहसील स्तरीय अधिकारियों द्वारा शिकायतों का निस्तारण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक सक्रियता और जवाबदेही का संदेश स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जिससे आम नागरिकों में विश्वास का माहौल बना। इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्राम पूरादगली में हुआ महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

इटावा। मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत थाना पछायगांव पर गठित महिला मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम पूरादगली में जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति अभियान के तहत पंपलेट वितरित किए गए तथा महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

महिला मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को पुलिस आपातकालीन सेवा 112, महिला पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा एवं एंबुलेंस 102 व 108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930, एलपीजी गैस रिसाव हेल्पलाइन 1906 तथा उपभोक्ता अधिकार हेल्पलाइन 1915 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, नशा मुक्ति भारत अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और उनके लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। महिला मिशन शक्ति टीम द्वारा उपस्थित छात्राओं को पढ़ाई को प्राथमिकता देने, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपना भविष्य उज्ज्वल बनाने, सुरक्षित और स्वस्थ रहने तथा प्राप्त जानकारी को अपने परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों के साथ साझा करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के अंत में टीम द्वारा संदेश दिया गया कि स्वस्थ और सतर्क रहना ही वास्तविक सुरक्षा है।

चेयरमैन ने पालिका की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

– अस्थाई रैन बसेरा व शेल्टर होम पहुंचकर आश्रितों से की वार्ता

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। सर्दी के मौसम को देखते हुए नगर पालिका परिषद की ओर से असहाय व निराश्रित लोगों के लिए बनाए गए अस्थाई रैन बसेरा व शेल्टर होम की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए चेयरमैन राजकुमार मौर्य निकले। जहां उन्होने आश्रितों से वार्ता कर व्यवस्थाओं के बाबत जानकारी हासिल की। अध्यक्ष राजकुमार मौर्य एडवोकेट ने रात्रि लगभग ग्यारह बजे स्थानीय रेलवे स्टेशन व रोडवेज बस स्टॉप स्थित अस्थाई रैन बसेरा व जिला चिकित्सालय व मुराइनटोला स्थित शेल्टर होम पहुंच कर लोगों से मिल रहीं सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इसके अलावा जल रहे अलाव को भी देखा। निरीक्षण में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई। चेयरमैन ने कहा कि अस्थाई रैन बसेरा व शेल्टर होम में आने वाले आश्रितों को सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। किसी भी तरह की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। इस मौके पर सभासद शादाब अहमद, सफाई एवं खाद निरीक्षक के चंद्राकर, मोहम्मद हबीब, पुनीत कुमार, सबलू टीटू आदि लोग मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री सृष्टि का जन्म का दिनाकं 09.05.2020 को ग्राम मौहारी थोक शाह, पोस्ट शाह, ब्लाक बहुआ तहसील व जिला फतेहपुर में हुआ है। माता का नाम बेनू देवी है। अज्ञानतावश मेरी पुत्री का जन्म पंजीकरण रजिस्टर में नाम दर्ज नही हो सका था। मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। जन्म प्रमाण पत्र किसी सरकारी/अर्धसिरकारी संस्था से नही बना है। किसी प्रकार का वाद विवाद उत्पन्न होने के कारण उसकी जिम्मेदारी मेरे व मेरे परिवार की होगी।

संत कुमार पुत्र रामबाबू निवासी ग्राम मौहारी थोक शाह, पोस्ट शाह, ब्लाक बहुआ तहसील व जिला फतेहपुर।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी माता मरियम बीबी पत्नी स्व0 सैय्यद आकिल की मृत्यु दिनांक 21.06.2024 को घर पर हुई थी। अज्ञानतावश अपनी माता का मृत्यु प्रमाण पत्र नही बनवा पाया था। अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। अतः न्यायहित मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की कृपा करे। अभी तक किसी भी सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्था से मृत्यु प्रमाण पत्र नही बना है। किसी भी प्रकार का वाद विवाद उत्पन्न होता है तो उसकी जिम्मेदारी मेरी होगी।

सैय्यद मो0 आमिर पुत्र स्व0 सैय्यद आकिल निवासी ग्राम चक कोर्रा सादात ब्लाक हसंवा तहसील व जिला फतेहपुर।

उत्तर मध्य रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे द्वारा एक संख्या 132 केवी, 3-फेज, डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। उक्त ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण मौजूदा 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के टॉवर संख्या 147 (DD+0) से प्रारंभ होकर 132/2×25 केवी ट्रैक्शन सब-स्टेशन (TSS), सिराथु तक किया जाएगा। यह ट्रांसमिशन लाइन ग्राम सिराथु और बनपुरवा गांव, चक मोचारा से होकर गुजरेगी तथा 132/2×25 केवी टीएसएस, सिराथु पर समाप्त होगी।

ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण के दौरान यदि किसी भूमि, फसल अथवा वृक्ष को क्षति होती है, तो संबंधित भूमिधर को जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार मुआवजा प्रदान किए जाने का प्रावधान है। यह ट्रांसमिशन लाइन विद्युत रेलगाड़ियों के संचालन हेतु आवश्यक है। यह कार्य रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन आयोजित/निष्पादित किया जा रहा है।

सिराथू

No. EL-C-PRYJ/05-25-26
दिनांक 15.01.2026
स्थान- प्रयागराज।
107/26(DG)

(कुंवर सिंह)
उप मुख्य विद्युत अभि0 / मुख्य0 / पी0
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज।

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

मुठभेड़ में टॉप-10 हिस्ट्रीशीटर समेत दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

– लंबे आपराधिक इतिहास का खुलासा

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

इटावा। अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर एवं पुलिस उप महानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर के निर्देशन तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी सैफई के नेतृत्व में थाना चौबिया एवं थाना जसवंतनगर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से अपराध नियंत्रण की दिशा में बड़ी कार्रवाई की गई। जनपद में अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम वांछित एवं वारंटी अपराधियों की गिरतारी हेतु दिए गए निर्देशों के क्रम में 16 व 17 जनवरी की मध्य रात्रि को थाना चौबिया एवं थाना जसवंतनगर पुलिस द्वारा चौबिया थाना क्षेत्र में सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान आपराधिक अभिसूचना प्राप्त हुई कि दो शातिर अपराधी लूट की योजना बनाते हुए मसनाई की ओर से मसनाई पुल होते हुए इटावा की दिशा में आ रहे हैं। सूचना पर थाना चौबिया व थाना जसवंतनगर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से मसनाई पुल के पास घेराबंदी

कर चेकिंग शुरू की गई। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी, जिसे पुलिस टीमों द्वारा रोकने का इशारा किया गया, लेकिन मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें अभियुक्त शिवम कंजड के बाएं पैर तथा अभियुक्त रिंकू उर्फ ब्रिगेडियर के दाएं पैर में गोली लग गई। दोनों अभियुक्तों को घायल अवस्था में गिरतार कर उपचार हेतु भेजा गया। पुलिस पूछताछ एवं तलाशी के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से दो तमंचे 315 बोर, दो जिंदा कारतूस, चार खोखा कारतूस, दो मिस कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। गिरतार अभियुक्तों की पहचान शिवम कंजड उर्फ गोलू उर्फ गुलगुलिया उर्फ मोहित उर्फ क्रिया, निवासी कोकपुरा थाना फ्रेंड्स कॉलोनी जनपद इटावा तथा रिंकू उर्फ ब्रिगेडियर उर्फ मुनेन्द्र कुमार उर्फ मुनील उर्फ विकेटियर, निवासी नगला नरिया थाना जसवंतनगर जनपद इटावा के रूप में हुई है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार दोनों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं, जिनके विरुद्ध हत्या के प्रयास, लूट, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट सहित कई संगीन धाराओं में अनेक मुकदमे दर्ज हैं। शिवम कंजड जनपद के टॉप–10 अपराधियों की सूची में शामिल है। उक्त गिरतारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना चौबिया पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजी.त कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना चौबिया की पुलिस टीम का नेतृत्व थानाध्यक्ष उपनिरीक्षक महेन्द्र सिंह तथा थाना जसवंतनगर की पुलिस टीम का नेतृत्व थानाध्यक्ष उपनिरीक्षक कमल भाटी द्वारा किया गया।

डबल इंजन की सरकार व्यापारी हित में कार्य कर रही : सरिता

- जीएसटी विभाग के आयोजित व्यापारी संवाद कार्यक्रम में बोली सदर विधायक

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

इटावा। उत्तर प्रदेश की डबल इंजन की सरकार व्यापारियों की सरकार है। सरकार ने सदैव व्यापारियों के हित में निर्णय लिए उक्त उधर सदर विधायक सरिता भदौरिया ने विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में व्यापारी संवाद कार्यक्रम में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज जीएसटी विभाग द्वारा यह व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसके लिए जनपद की अधिकारी बधाई के पात्र हैं। सरकार की मंशा है कि व्यापारियों को किसी प्रकार की अशुद्धि ना हो पाए और ना ही कोई गुंडा माफिया उन्हें परेशान कर सके उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ एके शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यापारियों का बीमा एक लाख से बढ़कर 10 लाख किया है। इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है जिला अध्यक्ष संतोष चौहान ने व्यापारियों की समस्याओं को लेकर चर्चा की साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की व्यापारी हित में किए गए कार्यों की प्रशंसा भी की। बैठक में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ एके शर्मा जिलाध्यक्ष संतोष सिंह चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहर अध्यक्ष ओम रतन कश्यप जिला वरिष्ठ महामंत्री हरि गोपाल शुक्ला जिला विधिक सलाहकार रूपेंद्र सिंह चौहान महिला जिलाध्यक्ष सुनीता कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार पाल दत्त तिवारी सदस्य गोपाल पांडे सरदार मोहन सिंह लक्ष्मी कुशवाहा सहित तमाम व्यापारीगण जिलाधिकारी शुभ्रांत

बिना चौहान युवा जिलाध्यक्ष अजय गुप्ता जिला महामंत्री रमेश यादव जिला उपाध्यक्ष बिना चौहान युवा शहर अध्यक्ष मुकेश दुबे युवा शहर उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश पोरवाल एचपी राव दीक्षित उपायुक्त प्रशासन राज्य कर सहित जीएसटी विभाग के समी अधिकारी उपस्थित रहे।

विराट हिन्दू सम्मेलन में सभी जाति को एक सूत्र में पिरोने का संकल्प

- नन्हीं आर्या अग्रवाल ने मंत्रोच्चारण कर मोह लिया सभी का मन

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

खागा, फतेहपुर। विजयीपुर ब्लाक परिसर में हिंदू महासम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या

में क्षेत्र व नगर के हिंदू शामिल हुए। मुख्य अतिथि ने मुख्य उद्देश्य हिंदू समुदाय को एकजुट करना और धर्म के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करना था। सम्मेलन में हिंदू धर्म की रक्षा और संस्कृति को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए हिंदू समुदाय के लोगों से अपने धर्म के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म एकता और शांति का संदेश देता है और सभी को अपने धर्म पर गर्व महसूस करना चाहिए। हम सबको मिलकर भारत को विश्व गुरु बनाने में सहयोग करना चाहिए। ब्लाक प्रमुख पति आदित्य त्रिवेदी ने सभी मौजूद लोगों को एक–एक भगवा गमछा से सम्मानित किया। किशनपुर कस्बे की नन्हीं आर्या अग्रवाल ने अपने मंत्रोच्चारण में जनता का मन मोह लिया। कार्यक्रम मेंअतिथियों को समरसता भोज करवाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी राजेश्वराश्रम महराज, मुख्य वक्ता मनीष, सहo प्रांत प्रचारक कुशलपाल, संघ संचालक मोहित, रामअभिलाष, ज्ञानेन्द्र, मनोज द्विवेदी, क्षेत्रीय विधायक कृष्णा पासवान, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि आदित्य त्रिवेदी, अर्पणा सिंह, बुन्देलखंड के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा, मंडल अध्यक्ष प्रीती सिंह, छोटू सिंह परिहार, विकाश पासवान सहित हजारों की संख्या में हिंदू प्रेमी मौजूद रहे। सुरक्षा के लिए विजयीपुर चौकी पुलिस प्रशासन मौजूद रहा।

कोहरे का कहर : सात वाहन आपस में टकराए, एक मौत

– हाईवे किनारे खड़े ट्रेलर में घुसे सभी वाहन

– महिला की हालत चिंताजनक, कानपुर रेफर

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के सौंरा एनएच 2 में शनिवार की सुबह घने कोहरे के कारण हाइवे किनारे के खड़े ट्रेलर में पीछे से आ रही पिकअप सहित सात वाहन टकरा गये। जिसमें रोडवेज बस अरटिका शामिल है। जिसमें 17 किशोर की मौके में मौत हो गयी जबकि मां सहित आधा दर्जन लोग घायल हो गये। गंभीर रूप से घायल दो लोगो को जिला अस्पताल लाया गया। जहां महिला की हालत गंभीर देख कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं रोड़वेज बस में सवार युवक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह घना कोहरा होने के कारण जहां वाहनों की रतार धीमी हो गयी। वहीं मलवां थाने के सौंरा एनएच 2 में हाइवे किनारे खड़े ट्रेलर में पीछे से आ रही पिकअप जा घुसी उसके बाद अरटिका व बस सहित आधा दर्जन से अधिक वाहन टकरा गये। जिसमें औरैईया जनपद के थाना अजीतमल गांव मुरादगंज निवासी संजीव गौतम का पुत्र यश की मौके में पर ही मौत हो गयी। वहीं मां सीमा देवी गंभीर रूप से घायल हो गयी। इस हादसे में रोड़वेज बस में सवार प्रयागराज जनपद के थाना मेजा गांव आउपुर निवासी श्यामसुन्दर का पुत्र आदर्श बुरी तरह घायल हो गये। जिन्हे सरकारी एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने सीमा की हालत गंभीर देखते कानपुर मेडिकल कालेज के कर दिया जबकि अन्य पांच को मामूली चोटे आने पर चिकित्सीय उपचार के बाद वापस भेज दिया। वहीं सूचना पाकर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह

भेज दिया। हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

किस्मत आपकी, मस्ती मेरी!' अक्षय कुमार ने व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया का नया प्रोमो जारी किया

(ताहिर हुसैन हाशमी)

मुंबई। अक्षय कुमार व्हील घुमाने और अपने खास अंदाज के साथ भारतीय टेलीविजन पर वापसी करने को तैयार में हैं। व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया का प्रीमियर 27 जनवरी 2026 को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा। यह शो सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे प्रसारित होगा। लेटेस्ट प्रोमो में अक्षय अपने पूरे रंग में नज़र आ रहे हैंसहाजिर जवाब, एनर्जेटिक और आसानी से लोगों को अपनी ओर खींचने वाले। गेमप्ले के साथ ह्यूमर का तड़का लगाते हुए,प्रोमो शो के मुख्य ट्विस्ट को दिखाता हैसजहाँ हर अक्षर मायने रखता है। "शब्दों की गलतफहमी कर

सकती है बेरहमी" और "अब मैटर करेगा हर एक अक्षर जब घूमेगा जादू का चक्कर" जैसी टैगलाइन माहौल बनाती हैंसयह दिखाते हुए कि कैसे शब्द, अक्षर और तेज सोच पल भर में किस्मत बदल सकते हैं।इंस्टाग्राम पर, अक्षय कुमार ने अपने खास अंदाज़ में मज़ाकिया अंदाज में अपना एक्साइटमेंट शेयर करते हुए लिखा, "किस्मत आपकी, पैसा चौनल का३ और ढेर सारी मस्ती मेरी तरफ से ;) ग्लोबली,व्हील ऑफ फॉर्च्यून टेलीविजन इतिहास के सबसे आइकॉनिक गेम शो में से एक है। वैरायटी द्वारा अमेरिकी टेलीविज़न पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले एंटरटेनमेंट शो के रूप में पहचाना गयास गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा दुनिया के सबसे लोकप्रिय टीवी गेम शो के रूप में सम्मानित किया गयास अक्षय कुमार के साथ, व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया इंटेलिजेंस, किस्मत और एंटरटेनमेंट का एक ज़बरदस्त मिक्सचर देने का वादा करता है,जहाँ एक स्पिन सब कुछ बदल सकता है।

कांग्रेस ने लगाई मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल

- ग्रामीणों के बीच भाजपा सरकार की नाकामियां की उजागर

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। कांग्रेस ने भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा की रूपरेखा एवं नाम बदलने को लेकर अपने आंदोलन मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत हुसैनगंज विधानसभा के आलमपुर, नवाबगंज, मुल्लनपुर, जमरांवां गांव में एक चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया। चौपाल में आए क्षेत्रवासियों के बीच जिलाध्यक्ष महेश द्विवेदी ने कहा कि मनरेगा के तहत नाम बदलना कोई खास बात नहीं है परंतु योजना की पूरी रूपरेखा ही बदल कर गरीब मजदूरों के हित को खत्म करना कांग्रेस कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। उहोंने आगे कहा कि मनरेगा के अंतर्गत हर मजदूर को वर्ष में सौ दिन काम की गारंटी थी एवं इसी के साथ गांव के माफिक विकास कार्य होता है परंतु अब भाजपा सरकार इस काम की गारंटी को समाप्त कर ठेकेदारी प्रथा चालू करना चाहती है जो एक तरह से गरीबों का हित मारना है। इस अन्याय के विरुद्ध हम अंत तक संघर्ष करेंगे साथ ही मजदूरी को बढ़ाकर चार सौ रुपया किया जाय जिससे इस मंहगाई के दौर में उनका जीवन सुलभ हो सके। चौपाल में वरिष्ठ नेता राजेंद्र शुक्ला शेख एजाज अहमद, पार्टी प्रवक्ता ई देवी प्रकाश दुबे, उपाध्यक्ष कलीम उल्ला सिद्दीकी, रामनरेश महराज, मनरेगा बचाओ संग्राम कोऑर्डिनेटर आरिफ खान ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। चौपाल में मुख्य रूप रूप से नवाब, सैयद अहमद फारूकी, अर्सलान, फहीम अहमद, अबरार अली, शेर अली, मो, आजम, जमरांव चौपाल में वागीश दत्त मिश्रा, प्रेम द्विवेदी, रमन द्विवेदी, सुनील मौर्य, सोनू सिंह, अंबिका तिवारी, वीरांश सिंह, राम संजीवन सूर्यवंशी आदि क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कार्यशाला का आयोजन 19 को

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि जनपद में जेम पोर्टल पर शासकीय कय करने वाले केता विभागों हेतु 19 जनवरी को पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 01:30 बजे तक कपूरथला परिसर स्थित मल्टीपर्पज आडिटोरियम में कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में जनपद के जेम पोर्टल के सेकेंड्री यूजर्स (केता, आपूर्ति प्राप्तकर्ता व भुगतानकर्ता) को प्रतिभाग करना है। डीएम सभी सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अपने विभाग के जेम पोर्टल के क्रेता (बॉयर) तथा आपूर्ति प्राप्तकर्ता (कंसाइनी) के साथ ससमय कार्यशाला में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

माघ मेला की तैयारियों में पुलिस ने नहीं छोड़ी कोर कसर

– एसपी ने खुद चेक की लखनऊ बाईपास पर डायवर्जन ड्यूटी, दिए निर्देश

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। माघ मेला के पावन अवसर पर लाखों–करोड़ों श्रद्धालुओं की सुगम व सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। षनिवार को पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत लखनऊ बाईपास मिटौरा रोड पर लगी महत्वपूर्ण डायवर्जन ड्यूटी का स्वयं औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों से विस्तृत जानकारी ली और यातायात व्यवस्था को और भी चुस्त–दुरुस्त बनाने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। प्रयागराज की ओर जाने वाले मार्ग पर भारी वाहनों के सुचारू संचालन और जाम से बचाव के लिए लगाई गई इस ड्यूटी को लेकर एसपी ने विशेष ध्यान दिया। ताकि मौनी अमावस्या जैसे प्रमुख स्नान पर्वों के दौरान कोई असुविधा न हो। एसपी अनूप कुमार सिंह ने कहा कि माघ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि लाखों लोगों की आस्था का महासंगम है। हमारी जिम्मेदारी है कि हर श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के अपनी आस्था की डुबकी लगा सके। पुलिस इस पवित्र कार्य में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ेगी।

उत्तर मध्य रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना

No.: EL-C-PRYJ/05-25-26 दिनांकः 15.01.2026

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे द्वारा एक संख्या 132 केवी, 3-फेज, डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। उक्त ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण मौजूदा 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के टॉवर संख्या 45 (DB+0) से प्रारंभ होकर 132/2x25 केवी ट्रैक्शन सब-स्टेशन (TSS), कार्बीगवां तक किया जाएगा। यह ट्रांसमिशन लाइन ग्राम मरई, कार्बीगवां, परसादीपुर एवं नगवां गौतम से होकर गुजरेगी तथा 132/2×25 केवी टीएसएस, कार्बीगवां पर समाप्त होगी।

ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण के दौरान यदि किसी भूमि, फसल अथवा वृक्ष को क्षति होती है, तो संबंधित भूमिधर को जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार मुआवजा प्रदान किए जाने का प्रावधान है। यह ट्रांसमिशन लाइन विद्युत रेलगाड़ियों के संचालन हेतु आवश्यक है। यह कार्य रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन आयोजित/निष्पादित किया जा रहा है।

खण्डः- करबीगवां रेलवे ट्रैक्शन सब स्टेशन

108/26(A) उप मुख्य विद्युत अभि0/मुख्य0/पी0/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सांस्कृतिक कार्यक्रम में करें प्रतिभाग

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य ने बताया कि नोड़ल राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सांस्तिक कार्यक्रम का आयोजन हेतु चयन की कार्यवाही की जा रही है जिसमें जनपद के समस्त राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं राजकीय व निजी विद्यालय, कौशल विकास केन्द्र, एवं जनपद में किसी भी अन्य शैक्षिक संस्थानों के प्रशिक्षार्थी जो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना चाहते हों वह नोड़ल संस्थान में कार्यदेशक उदयवीर सिंह मो0नं0 9889816908 एवं कार्यदेशक सुनीता यादव मो0नं0 9532884457 पर सम्पर्क स्थापित कर सकते है।

आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान नगरवासी

- दर्जनों लोगों को काटकर किया घायल, लोगों में भय

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

खागा, फतेहपुर। नगर के अयोध्या मंदिर मैदान में रात दस बजे के बाद आवारा कुत्तों का झुंड दिखाई देने लगता है। थोड़ी सी चूक होने पर अपना शिकार राहगीरों को बना लेते हैं। इसी प्रकार क्षेत्र के हथगाम, पट्टीशाह में भी आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त है। इतना ही नहीं इन सैकड़ों की संख्या में आवारा कुत्तों का झुंड बंदरों की भांति लोगों के घरों में घुस जाता है। यहां तक कि घर के बाहर दरवाज़े के पास बैठकर कुछ खाना व नास्ता करना भी अब मुश्किल हो गया है। ये कुत्ते हाथों से खाने–पीने की वस्तुओं को उठा ले जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि राह चलते कई लोगों को काटकर घायल कर चुके हैं। जिससे पूरे गांव में दहशत का माहौल बना है। नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने बताया कि आवारा कुत्तों के लिए वन विभाग को पत्र भेजा गया है।

पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र के लिए दौड़ रही विधवा

- तहसील दिवस में शिकायत, लेखपाल पर आरोप

न्यूज़ वाणी ब्यूरो /खागा, फतेहपुर। शनिवार को तहसील सभागार में क्षेत्र से एक राजस्वकर्मी की करतूत सामने आई है। जहां पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र बनवाने के लिए एक विधवा महिला को लगातार तहसील के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पीड़िता ने तंग आकर तहसील दिवस में संबंधित लेखपाल के विरुद्ध शिकायती पत्र सौंपा है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत रायपुर भसरौल निवासी किरन देवी 50 वर्ष एक विधवा महिला हैं। उनके पति का स्वर्गवास वर्ष 2002 में हो गया था। पति की मृत्यु के बाद से ही वह अपने मायके में निवास कर रही हैं। वर्तमान समय में उन्हें सरकारी कार्यों के लिए पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने प्रमाण पत्र बनवाने के लिए संबंधित लेखपाल विनय यादव के पास आवेदन किया और सभी आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध कराए। इसके बावजूद लेखपाल द्वारा कई दिनों से आज–कल कहकर उन्हें टाल दिया जा रहा है और बार–बार तहसील बुलाया जा रहा है। लगातार चक्कर काटने से मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान होकर पीड़िता ने आखिरकार तहसील दिवस में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता का आरोप है कि सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बावजूद जानबूझकर कार्य में देरी की जा रही है, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ रही है। मामले को लेकर तहसीलदार शैल कुमारी का कहना है कि शिकायत को संज्ञान में लिया गया है। जांच के बाद दोषी पाए जाने पर संबंधित लेखपाल के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आयुष्मान भारत योजना से पात्रों को जोड़ने की सीएम से मांग

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला सोशल मीडिया प्रमुख एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पूर्व जिला कार्यसमिति सदस्य अजीत कुमार सैनी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर प्रदेश में आयुष्मान भारत/प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से वंचित रह गए पात्र गरीब परिवारों को तत्काल योजना से जोड़ने की मांग उठाई है। अपने पत्र में श्री सैनी ने उल्लेख किया है कि आयुष्मान भारत योजना केंद्र एवं राज्य सरकार की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजना है, जिसके अंतर्गत गरीब एवं वंचित परिवारों को प्रति वर्ष पांच लाख तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए गंभीर बीमारी की स्थिति में जीवन रक्षक साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि इसके बावजूद प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आज भी अनेक ऐसे पात्र परिवार हैं, जो तकनीकी खामियों, दस्तावेज़ों की त्रुटि, जानकारी के अभाव अथवा सर्वे में नाम छूट जाने के कारण योजना के लाभ से वंचित हैं। ऐसे परिवारों को बीमारी की स्थिति में महंगे उपचार के कारण आर्थिक, मानसिक और सामाजिक संकटों का सामना करना पड़ता है। श्री सैनी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रदेश स्तर पर विशेष पुनः सत्यापन एवं सर्वे अभियान चलाकर शेष बचे सभी पात्र परिवारों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाए, जिससे कोई भी पात्र गरीब परिवार निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने विष्वास जताया कि राज्य सरकार इस गंभीर विषय पर शीघ्र संज्ञान लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करेगी, ताकि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो सके।

न्यूज़ वाणी
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
राज्य सरकार व केंद सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध
समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें
सूचना, मार्कशीट, सम्बन्ध विच्छेदन,
खोया पाया, कोर्ट नोटिस, टेन्डर आदि
09451548620, 9451180488

शिकायतों के निस्तारण में न बरतें लापरवाही : डीएम

- बिंदकी तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में 23 का मौके पर निस्तारण

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। बिंदकी तहसील के सभागार में शनिवार को संपूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह व विधायक जहानाबाद राजेंद्र सिंह पटेल की उपस्थित में किया गया। डीएम के निर्देशन में सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित विभिन्न विभागों ने स्टाल लगाकर जनमानस को लाभ पहुंचाया। समाधान दिवस में .षि, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास, वृद्धा, दिव्यांग, निराश्रित महिला पेंशन, सिंचाई, नलकूप, राजस्व आदि विभागों से संबंधित कुल 124 शिकायतकर्ताओं से शिकायतें प्राप्त हुई। जिसके सापेक्ष 23 का मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने निस्तारण कर दिया। शेष 101 प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को हस्थांतरित करते हुए समय सीमा के अन्दर निस्तारण करने के निर्देश दिये। डीएम ने प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्वक निस्तारण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए डीएम ने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण और शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य लक्ष्य है, इसमें किसी भी प्रकार लापरवाही पाये जाने अथवा संबंधित अधिकारी व कर्मचारी द्वारा ससमय संज्ञान न लेने पर जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में सभी विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शासकीय कार्यो में लापरवाही/शिथिलता कदापि न बरती जाये। सभी लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ हर गरीब पात्र व्यक्ति को मिले। कोई भी गरीब व्यक्ति शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये। अपर पुलिस अधीक्षक महेन्द्र पाल सिंह ने पुलिस से संबंधित शिकायतों को सुना और थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों को गंभीरता से लेकर निस्तारण करे। इस अवसर मुख्य चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारी बिन्दकी, नायब तहसीलदार, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला .षि अधिकारी, जिला समाज कल्याण, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण, सहायक श्रमायुक्त, ईओ, खंड विकास अधिकारी सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग से संबंधित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

गांव के स्कूल की लाइब्रेरी को राज्य स्तर पर मिली पहचान

- प्रभारी प्रधानाध्यापक व आदर्श शिक्षक आनंद ने की थी स्थापना

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

खागा, फतेहपुर। ऐरायाँ ब्लॉक स्थित आदर्श प्राथमिक विद्यालय मलूकपुर का पुस्तकालय मुस्कानालय अब प्रदेश स्तर पर पहचान बना चुका है। विद्यालय में समुदाय के सहयोग से स्थापित इस पुस्तकालय की तस्वीरों को राज्य स्तरीय पुस्तकालय प्रशिक्षण मॉड्यूल ग्रंथागार के कवर पेज पर स्थान मिला है। साथ ही पुस्तकालय की स्थापना, उसके उद्देश्य और शैक्षिक प्रभाव को लेकर विद्यालय के आदर्श शिक्षक आनंद कुमार मिश्र द्वारा लिखे गए प्रेरणास्पद लेख को भी मॉड्यूल के आवरण पृष्ठ में शामिल किया गया है। परिषदीय एवं माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (आईएएसई), प्रयागराज द्वारा तैयार किए गए इस प्रशिक्षण मॉड्यूल में किसी ग्रामीण प्राथमिक विद्यालय की लाइब्रेरी को उदाहरण के रूप में शामिल किया जाना एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। मॉड्यूल के कवर पेज पर मुस्कानालय की तस्वीरें प्रकाशित होने से विद्यालय के शिक्षक, छात्र और स्थानीय समुदाय में खासा उत्साह है। बीते शैक्षिक सत्र में तत्कालीन प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं आदर्श शिक्षक आनंद कुमार मिश्र ने स्थानीय समुदाय के सहयोग से इस पुस्तकालय की स्थापना की थी। यह पुस्तकालय उनके एवं सीमा बाजपेयी द्वारा संचालित मिशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत विकसित किया गया। आनंद कुमार मिश्र ने अपने लेख में बताया है कि किस तरह सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों को पुस्तकों से जोड़ने का सतत प्रयास किया गया। पुस्तकालय को केवल किताबों का संग्रह न बनाकर बच्चों की कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और अभिव्यक्ति को बढ़ाने का केंद्र बनाया गया। नियमित पठन गतिविधियां, कहानी पाठ, संवाद, लेखन अभ्यास और रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों के वाचन और लेखन कौशल को विकसित किया गया। वर्तमान में प्रयागराज स्थित आईएएसई में परिषदीय एवं माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को इसी ग्रंथागार मॉड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें मुस्कानालय को एक आदर्श पुस्तकालय मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि शिक्षक अपने–अपने विद्यालयों में भी इसी तरह नवाचार के साथ पुस्तकालयों को शैक्षिक गतिविधियों का केंद्र बना सकें।

इनसेट–

नवाचार व गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की पहचान हैं आनंद

प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए शिक्षक आनंद कुमार मिश्र को अब तक कई सम्मान और पुरस्कार मिल चुके हैं। उनके नेतृत्व में विद्यालय के बच्चों ने राज्यपाल, मुख्य सचिव समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया है। मिशन प्रेरणा के संचालन के दौरान उन्हें प्रेरक शिक्षक, डॉ. बृजलाल वर्मा सम्मान, एडूलीडर्स यूपी अवार्ड सहित राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री और जिलाधिकारी जैसे अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने अपने पुत्र को भी अपने ही विद्यालय में पढ़ाया, जो सरकारी विद्यालयों के प्रति उनके विश्वास को दर्शाता है।

इनसेट–

ऐसे प्रयासों की होनी चाहिए सराहना : शिखा

ग्रंथागार मॉड्यूल के निर्माण में विशेषज्ञ की भूमिका निभाने वाली प्रयागराज की शिखा जायसवाल का कहना है कि सरकारी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक आनंद कुमार मिश्र जैसे शिक्षकों के प्रयासों की खुले तौर पर सराहना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे ही शिक्षक समाज में प्राथमिक शिक्षा को सम्मान दिलाते हैं। ग्रंथागार मॉड्यूल में प्राथमिक विद्यालय मलूकपुर की लाइब्रेरी को स्थान मिलना, न केवल आनंद मिश्र के कार्यों का सम्मान है बल्कि अन्य शिक्षकों को भी नवाचार के लिए प्रेरित करने वाला कदम है।

पक्का तालाब व प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार की सीएम से मांग

- सर्वसमाज विकास समिति के पदाधिकारियों ने भेजा ज्ञापन

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

बिंदकी, फतेहपुर। नगर क्षेत्र स्थित पक्का तालाब (मुगल रोड, नजाही बाजार) के सौंदर्यीकरण व उससे सटे श्रीरामजानकी मंदिर एवं संकटमोचक हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर सर्वसमाज विकास समिति उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों एवं नगरवासियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पक्का तालाब के विकास हेतु पूर्व में शासन व प्रशासन स्तर पर कई बार प्रयास किए गए। वर्ष 2000 में तत्कालीन मुख्यमंत्री रामप्रकाश गुप्ता से व्यक्तिगत भेंट के बाद यह विषय शासन स्तर पर उठा। इसके फलस्वरूप वर्ष 2015 में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नगर पालिका परिषद बिन्दकी को लगभग 1 करोड़ 53 लाख रुपये की धनराशि स्वी.त की गई थी। समिति का आरोप है कि उक्त धनराशि में से लगभग एक करोड़ रुपये के व्यय का ही औपचारिक उल्लेख किया गया, जबकि शेष लगभग 53 लाख रुपये शासन को वापस कर दिए गए। इसके बावजूद धरातल पर तालाब की स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है और तालाब बदहाली का शिकार है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि तालाब के किनारे स्थित श्रीरामजानकी मंदिर एवं संकटमोचक हनुमान मंदिर नगरवासियों की गहरी धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, किंतु देखरेख के अभाव में ये भी जीर्ण अवस्था में पहुंच चुके हैं। नगरवासियों का कहना है कि यदि शासन स्तर से निष्पक्ष जाँच कराई जाए तो वास्तविक स्थिति स्वतः स्पष्ट हो जाएगी। सर्वसमाज विकास समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस विषय की जानकारी पूर्व में प्रधानमंत्री कार्यालय को भी दी जा चुकी है। नगरवासियों ने मुख्यमंत्री से पुनः आग्रह किया है कि पक्का तालाब का सौंदर्यीकरण कराते हुए दोनों मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया जाए, जिससे क्षेत्र में धार्मिक, सांस्तिक एवं पर्यावरणीय संतुलन स्थापित हो सके। ज्ञापन की प्रतिलिपि जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त प्रयागराज मण्डल, मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन, नगर विकास विभाग व प्रधानमंत्री कार्यालय को भी भेजी गई है। इस मौके पर प्रबन्धक धर्मेन्द्र मिश्र, उप प्रबन्धक हिमाँशू गुप्ता, सचिव अनुराग मिश्र, लेखा निरीक्षक सात्विक शुक्ला, कन्फडरेशन ऑफ ऑल इण्डिया ट्रेडर्स कैट दिल्ली सदस्य गाँव ओमप्रकाश गुप्ता, अनिल मिश्र, नीरज कुमार सहित कई संख्या में पदाधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

12 वीं वाहिनी का 56 वां स्थापना धूमधाम से मना

- सेनानायक ने क्वार्टर गार्द पर की विधि–विधान से पूजा–अर्चना

- एसपी व सेनानायक ने मेले का उद्घाटन कर स्टालों का किया अवलोकन

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्श भी 12 वीं वाहिनी का स्थापना दिवस धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सेनानायक मनोज कुमार अवस्थी ने वाहिनी क्वार्टर गार्द पर विधि विधान से भगवान की पूजा अर्चना की। साथ ही शस्त्रों का पूजन किया। साथ ही समस्त पीएसी परिवार के मंगल की कामना कर उपस्थित लोगों को वाहिनी के स्थापना दिवस की बधाई दी। पीएसी स्थापना दिवस के अवसर पर वाहिनी पुलिस मॉडर्न स्कूल ग्राउंड पर आयोजित विशाल मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह व सेनानायक मनोज कुमार अवस्थी ने फीता काट कर किया। साथ ही मेले में लगे सभी स्टालों का भ्रमण किया। बेस्ट स्टॉल का अवार्ड ई–दल को मुख्य अतिथि एसपी ने प्रदान किया। इसके पश्चात सांस्तिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस मॉडर्न स्कूल के छात्र–छात्राओं ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। सहायक शिवरपाल पीसी आनंद मौर्य व आकाशवाणी लखनऊ केंद्र से आयीं वन्दना गुप्ता की प्रस्तुति आज के सांस्तिक कार्यक्रम का मुख्य केंद्र रहीं। अंत में परेड ग्राउंड पर विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं में स्पून रेस, मटका रेस, मेढक दौड़ का भी आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस मॉडर्न स्कूल के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सेनानायक ने पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर शिवरपाल विजय कुमार चौधरी, सीसी नीरज कुमार, आरटीसी प्रभारी सीसी रविंद्र प्रसाद सिंह, सीसी महितोष कुमार, सीसी दिनेश कुमार पांडेय, सीसी मुकेश सिंह, वाहिनी मुख्यालय एवं आरटीसी के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं समस्त दलों के समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बंजर जमीन पर अवैध निर्माण रोकने जाने की मांग

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। ग्राम छेउका परगना व तहसील सदर निवासी ओम प्रकाश पुत्र रामसजीवन ने जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र सौंपा। जिसमें बताया कि आराजी गाटा सं0–2961 रकबा 0.0050 हे0 स्थित मौजा छेउका जो राजस्व अभिलेखों के बंजर खाते में मुख्य सड़क सातमील से हुसैनगंज रोड से लगी बेसकीमती भूमि है। जिस पर कुछ भूमाफियाओं द्वारा जबरिया रात के समय बराबर तीन दिनों से निर्माण कराया जा रहा है। वर्तमान में नीवों को भरकर दीवार खड़ी की जा रही है। जिसको लेकर राजस्व कर्मचारियों को सूचना दी गई थी लेकिन राजस्व कर्मचारी अपनी आंखे बंद कर रखी है। ऐसे में उक्त आराजी गाटा सं0 2961 पर किए गए अवैध निर्माण को हटाकर उसे सुरक्षित किया जाना न्यायहित व सरकार के हित में अत्यंत आवष्यक है। डीएम से मांग किया कि आराजी गाटा सं0 2961 रकबा 0.0050 हे0 बंजर भूमि पर कराए गए अवैध निर्माण अविलम्ब हटवाकर भूमि की पैमाइष कर सुरक्षित किया जाए।

स्कूली बस की टक्कर से साइकिल सवार छात्र की मौत

- टक्कर मारने के बाद सौ मीटर तक घिसटा छात्र

- हादसे के बाद चालक बस लेकर फरार

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के बीसापुर नहर पुल के समीप साइकिल से स्कूल जा रहे कक्षा आठ के एक छात्र को स्कूली बस ने टक्कर मार दी। जिससे वह नीचे गिरकर बस में फंस गया और लगभग सौ मीटर तक घिसटता हुआ चला गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बस को लेकर फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उधर फरार बस चालक की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार हुसैनगंज थाना क्षेत्र के करगदेमऊ गांव निवासी शिवकुमार का 17 वर्षीय पुत्र विनय कुमार साइकिल से अपने स्कूल जा रहा था। विनय जैसे ही बीसापुर नहर पुल के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रही एक तेज रतार स्कूली बस ने उसकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से विनय सड़क पर गिर गया और बस के नीचे फंस गया। बस चालक ने वाहन को नहीं रोका और छात्र को करीब सौ मीटर तक घसीटता रहा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बस लेकर फरार हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों का जमावड़ा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उधर दुर्घटना की जानकारी जब परिजनों को हुई तो उनके बीच कोहराम मच गया। माता–पिता समेत परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल रहा। हुसैनगंज थाना पुलिस फरार बस चालक की तलाश में जुटी है।

जहर खा महिला ने दी जान

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम उमरगहना में बीती रात संदिग्ध अवस्था में 35 वर्षीय महिला जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार उमरगहना गांव निवासी शम्मी की पत्नी निर्मला देवी ने बीती रात संदिग्ध अवस्था में जहरीला पदार्थ खा लिया। इसकी जानकारी जब परिजनों को हुयी तो उपचार के लिए अस्पताल ला रही रहे थे। तभी उसकी मौत हो गयी। सूचना पाकर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

फांसी लगा युवती ने जान

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। बकेवर थाना क्षेत्र के ग्राम नानामऊ में शुक्रवार की देर शाम संदिग्ध अवस्था में 26 वर्षीय महिला ने घर के अन्दर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार नानामऊ गांव निवासी सौरभ दीक्षित की पत्नी रोशनी दीक्षित ने शुक्रवार की देर शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। वहीं पोस्टमार्टम हाउस में घटना के बाबत परिजनों से जानकारी ली गयी तो कुछ भी बताने से कतराते रहे।

मारपीट में वृद्ध की मौत, प्रधान के भतीजों समेत चार पर रिपोर्ट

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के अयाह गांव में हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल वृद्ध गंगा सागर की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले में पुलिस ने प्रधान के चचेरे भतीजो समेत चार लोगों के खिलाफ मारपीट एससी एसटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की। थाना क्षेत्र के अयाह गांव निवासी विद्या देवी ने बताया कि गुरुवार को गांव के घनश्याम मिश्रा अपने भाई टिर्री, लालजी ने उसके लड़के अभिषेक और नाती को गाली गलौज कर मारपीट करने लगे। बीच बचाव कराने पहुंचे गंगासागर, संध्या, वंदना और उसे भी जमकर मारापीटा। जिससे वह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया था। शुक्रवार को घायल गंगा सागर की मौत हो गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर के आधार पर प्रधान के भतीजों समेत चार के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। जल्द ही अभियुक्तों को गिरतार कर लिया जाएगा।

तृतीय दिवस पर हुई भक्ति ज्ञान की अमृत वर्षा

- भार्गव मुनीश जी महाराज ने किया भागवत माहात्म्य का ओजस्वी वर्णन

न्यूज़ वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। स्वामी पियादास जी महाराज सेवा समिति जरौली के तत्वाधान एवं सनातन धर्म रक्षा महासंघ के सहयोग से आयोजित श्री मद्भागवत महापुराण कथा के तृतीय दिवस पर कथा व्यास भार्गव मुनीश जी महाराज ने श्री मद्भागवत अत्यंत भावपूर्ण ओजस्वी वर्णन किया। परीक्षित श्रवण कुमार पत्नी शिव देवी एवं महावीर सिंह पत्नी राजकुमारी सहित सनातन धर्म रक्षा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चक्रेश जी महाराज प्रदेश सचिव शिवकुमार पाठक जिला प्रभारी अमर सिंह परिहार, जिलाध्यक्ष विवेक सिंह, असीस ठाकुर, शिवम तोमर, विकास सिंह, राहुल सिंह, गिरीश, राजू, नीरज, मुकेश निषाद, राजू उपस्थित रहे। भागवत कथा सुनने पहुंचे श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कथा का रसपान किया और पूरा वातावरण श्री कृष्ण के उपदेश गुंजायमान हो उठा।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, फतेहपुर किंग सेवा संस्थान के लिये नफीस अहमद जाफरी द्वारा जाफरी प्रिन्टर्स 170 महाजरी फतेहपुर उ0प्र0 से मुद्रित एंव प्रकाशित । सम्पादक नफीस अहमद जाफरी मो0 9451548620 R.N.I : UPHIN/ 2011/44792 (समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र फतेहपुर)